www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 266 नई दिल्ली, मंगलवार, 21 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

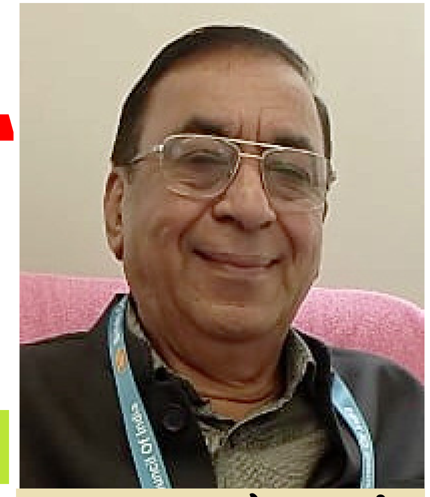

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

चलो संसद मार्च हिंसकः संसद घेरने पहुंचे प्रदर्शनकारियों और पुलिस में झड़प, 120 से अधिक पुलिसकर्मी घायल, 60 प्रदर्शनकारी जख्मी, 70 हिरासत में

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन राजधानी दिल्ली में प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट-यूजी समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आह्वान पर निकाला गया चलो संसद मार्च हिंसक हो गया। जंतर-मंतर से संसद तक मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई स्थानों पर तीखी झड़प हुई। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के गोले छोड़े और प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए बैरिकेड तोड़ने, संसद की ओर बढ़ने, पथराव करने और सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की कोशिश की।

पूरे घटनाक्रम में 120 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जबकि 60 से अधिक प्रदर्शनकारियों के घायल होने की सूचना है। पुलिस ने करीब 70 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अनुमान से कई गुना अधिक जुटी भीड़

सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने लगभग 5 हजार लोगों के जुटने का अनुमान लगाया था, लेकिन जंतर-मंतर पर 10 से 12 हजार लोग पहुंच गए। बाद में भीड़ बढ़कर 50 हजार से अधिक होने का दावा किया गया। इसके चलते संसद भवन और आसपास के पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। संसद के सभी प्रवेश द्वारों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए और कई रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गई।

जंतर-मंतर से रेल भवन तक तनाव

सुबह से ही बड़ी संख्या में छात्र और युवा मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन से जंतर-मंतर की ओर बढ़ने लगे। प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए संसद की ओर मार्च कर रहे थे। जंतर-मंतर, संसद मार्ग और रेल भवन के पास पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई दौर की झड़प हुई। पुलिस ने पहले बैरिकेड लगाकर भीड़ को रोकने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने लगे तो लाठीचार्ज किया गया। रेल भवन के निकट स्थिति अधिक तनावपूर्ण होने पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े।

सरकारी संपत्ति को नुकसान, वरिष्ठ अधिकारी भी घायल

दिल्ली पुलिस का आरोप है कि हिंसक भीड़ ने 15 से 20 सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की तथा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस के मुताबिक, हिंसा में स्पेशल पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, डीसीपी, अतिरिक्त डीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारी भी घायल हुए हैं। कई महिला पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई हैं। सभी घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है।

मेट्रो स्टेशन बंद, कई छात्र हिरासत में

प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई छात्र नेताओं और युवाओं को हिरासत में लिया। उन्हें बसों के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर ले जाया गया। एहतियात के तौर पर जनपथ, पटेल चौक समेत कई मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, जांच शुरू

दिल्ली पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हिंसा में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ दंगा, लोक सेवकों पर हमला, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है और हिंसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

धरना जारी रखने का ऐलान

दिनभर चले घटनाक्रम के बाद भी प्रदर्शन पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। देर शाम सीजेपी के कार्यकर्ता दोबारा धरने पर बैठ गए। पार्टी नेताओं ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

सीजेपी नेताओं ने की केन्द्रीय मंत्री नड्डा से मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

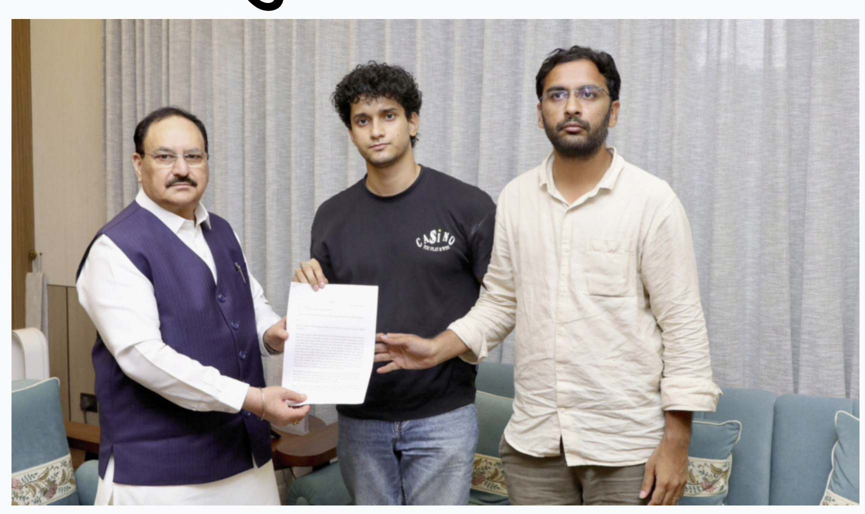

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं ने सोमवार को केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। मुलाकात नड्डा के आवास पर हुई। मुलाकात और ज्ञापन सौंपते हुए की तस्वीर सार्वजनिक हुई हैं। इससे पहले सीजेपी के प्रवक्ता सौरभ दास ने एक एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, जे.पी. नड्डा के आवास पर। प्रधान को तुरंत बर्खास्त करो। एक अन्य ट्वीट में सौरभ दास ने कहा कि दो घंटे से अधिक प्रतीक्षा करने के बाद आशुतोष रांका और उन्होंने अभी-अभी जे.पी. नड्डा से उनके आवास पर दस मिनट के लिए मुलाकात की। हमने अपनी मांगों वाला एक लिखित पत्र सौंप दिया है, और उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि वे इस बीच आंतरिक रूप से बात करेंगे। हम इस प्रक्रिया में हैं। जानकारी के अनुसार उन्होंने तीन मांगे रखी हैं। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा, सोनम वांगचुक को छोड़े जाने और नीट परीक्षा के लीक होने के चलते आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजनों को एक करोड़ का मुआवजा दिया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में बढ़ेगी जजों की संख्या, बिल किया पेश

1956 के विधेयक में किया जाएगा संशोधन, 33 से बढ़कर 37 हो जाएगी जजों की संख्या

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोमवार को लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। इस विधेयक के पास होने के बाद देश के सर्वोच्च अदालत में जजों की संख्या बढ़ जाएगी।

इस बिल का मकसद सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) एक्ट, 1956 में और संशोधन करना है। प्रस्तावित कानून का मकसद केंद्र द्वारा जारी उस अध्यादेश की जगह लेना है, जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 33 से बढ़ाकर 37 की गई थी। मंत्री मेघवाल ने हंगामे के बीच यह विधेयक पेश किया। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत में लंबित मामलों का बोझ कम करने के लिए न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना सबसे जरूरी और व्यावहारिक उपाय है।

92 हजार से ज्यादा मामले लंबित

सरकार के मुताबिक, एक जनवरी 2026 तक सुप्रीम कोर्ट में 92,101 मामले लंबित थे। वर्ष 2025 में 34 न्यायाधीशों की लगभग पूर्ण क्षमता के साथ काम करने के बावजूद सुप्रीम कोर्ट में 75,410 नए मामले दाखिल हुए, जबकि 65,615 मामलों का निपटारा किया गया। इस बीच, लोकसभा ने विपक्षी सदस्यों द्वारा अध्यादेश का विरोध करने के लिए लाया गया सांविधिक प्रस्ताव भी स्वीकार कर लिया है। संसदीय प्रक्रिया के अनुसार, जब किसी अध्यादेश के स्थान पर विधेयक लाया जाता है, तो विपक्ष उसके विरोध में सांविधिक प्रस्ताव पेश कर सकता है।

वांगचुक का ऐलान, मैं अनशन नहीं तोड़ूंगा

अस्पताल से जारी की नई चिट्ठी

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 23 दिन से अनशन कर रहे सोनम वांगचुक की हाथ से लिखी चिट्ठियां अस्पताल से आना जारी हैं।

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई की आलोचना की

सोमवार, 20 जुलाई को ऐसी ही एक चिट्ठी में वांगचुक ने ऐलान किया है कि वो अपनी भूख हड़ताल तब तक नहीं तोड़ेंगे जब तक युवा प्रतिनिधियों को संसद में सांसदों से मिलने की इजाजत नहीं मिल जाती, या फिर कोई सांसद उनसे मिलने के लिए अस्पताल नहीं आता। सोनम वांगचुक ने बताया कि ये फैसला उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे युवाओं के साथ की जा रही सख्ती और बर्बरता के बाद लिया है। बता दें कि 23 दिन से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक ने 20 मार्च को संसद तक मार्च का ऐलान किया था। इसके लिए दिल्ली की सड़कों पर भारी संख्या में लोग जुट गए। संसद की ओर जाते हुए लोगों की पुलिस के साथ मुठभेड़ भी हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। आंसू गैस के गोले भी छोड़े। कई प्रदर्शनकारियों को इस दौरान चोटें आईं।

चढ़ावा चोरी पर सुप्रीम चेतावनी इस पर राजनीतिकरण न करें

एसआईटी की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश, कोर्ट ने कहा- यह अपराध का एक साधारण मामला है

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

अयोध्या राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे में कथित हेराफेरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अहम टिप्पणी करते हुए साफ कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि अदालतें राजनीति का मंच नहीं हैं, बल्कि उनका उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि मामले की निष्पक्ष और प्रभावी जांच हो।

कोर्ट रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ, राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए फंड में कथित गड़बड़ी की सीबीआई जांच की मांग वाली विभिन्न जनहित याचिकाओं (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी।

चढ़ावे की गिनती का बदला सिस्टम

राम मंदिर के डोनेशन में गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कैश काउंटिंग व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब अयोध्या स्थित राम मंदिर के डोनेशन बॉक्स में आने वाले नकद चढ़ावे की गिनती स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की निगरानी में होगी। इसके लिए दो शिफ्ट में नई टीम तैनात की गई है। नई व्यवस्था लागू करने से पहले करीब एक सप्ताह तक इसका ट्रायल किया गया। ट्रायल सफल रहने के बाद नई व्यवस्था लागू कर दी गई। कैश काउंटिंग के लिए दो शिफ्ट का सिस्टम बनाया गया है। हर शिफ्ट में 10 से 12 लोगों की टीम काम करेगी।

देश को 56 नहीं, 28 साल के नौजवान आगे बढ़ा रहे

पीएम मोदी का राहुल गांधी पर निशाना, बोले- संसद में सार्थक चर्चा होनी चाहिए

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के मॉनसून सत्र के सार्थक होने की उम्मीद जताई। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की बढ़ती उपलब्धियों की तारीफ करते हुए की।

उन्होंने इनोवेशन को बढ़ावा देने और देश की अंतरिक्ष क्षमताओं का विस्तार करने में प्राइवेट सेक्टर की भूमिका की भी तारीफ की। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर बिना नाम लिए तंज कसा। पीएम ने कहा, भारत के एक युवा स्टार्टअप ने बहुत बड़ी सिद्धि प्राप्त की है। भारत के युवाओं ने अंतरिक्ष में नई उड़ान भरी है, बहुत बड़ी सफलता है। स्काईरूट एयरोस्पेस का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, इसमें जो नौजवान काम कर रहे हैं, उनकी एवरेज उम्र सिर्फ 28 साल है। ऐसे नौजवानों ने ये काम करके दिखाया है।

संसद में बहुत अनुभवी सांसद भाई

पीएम ने कहा कि सकारात्मक स्पिरिट राष्ट्र के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जरूरी होता है। हमारे संसद में बहुत अनुभवी सांसद भाई है, उनका लंबा अनुभव है। ऐसे में उनके अनुभव को देश की जरूरत है। संसद में सार्थक चर्चा होना, मिल-जुलकर देश को आगे ले जाने का काम करना समय की मांग है। मोदी ने आगे कहा, देश के युवाओं की मांग है कि हम आगे बढ़ें। जहां तथ्य होते हैं, तर्क होते हैं, वहां तूफान के लिए जगह नहीं होती है।

निर्माणाधीन टनल में फंसे 27 मजदूर

नई दिल्ली, (एजेंसी) । सिक्किम के नामची जिले में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। निर्माणाधीन टनल के बाहर भूस्खलन होने से करीब 27 मजदूर अंदर फंस गए। हालात इसलिए और मुश्किल हो गए, क्योंकि टनल के भीतर मीथेन गैस होने की आशंका है। इसी वजह से बचाव अभियान धीमा पड़ गया है। कई बचावकर्मियों की तबीयत भी गैस के असर से बिगड़ गई। यह हादसा समरदुंग टनल में हुआ। भूस्खलन के बाद टनल का प्रवेश रास्ता मलबे से बंद हो गया। अंदर 27 मजदूर फंसे हैं। इनमें 21 कर्मचारी पटेल इंजीनियरिंग के हैं, जबकि 6 लोग एनएमसीएच से जुड़े बताए गए हैं।

टनल में मीथेन गैस रेस्क्यू हुआ मुश्किल

राइडर साहित्यकार डिलीवरी के दौरान खाली समय में लिखी कविताओं के संग्रह के लिए यह पुरस्कार जीता

डिलीवरी बॉय को मिला चीन का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान

● बीजिंग, (एजेंसी)

चीन की विशाल गिग इकोनॉमी (अस्थायी या अनुबंध-आधारित कार्य) में कार्यरत एक 56 वर्षीय फूड डिलीवरी राइडर ने चीन का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान प्राप्त किया है। वांग जिबिंग नाम के उस व्यक्ति ने डिलीवरी के दौरान खाली समय मिलने पर कागज के टुकड़ों पर लिखी कविताओं के संग्रह के लिए यह पुरस्कार जीता है।

लो फ्लाइट नामक उनके कविता संग्रह ने लू शुन साहित्य पुरस्कार हासिल किया है। यह पुरस्कार आधुनिक चीनी साहित्य के पिता माने जाने वाले प्रसिद्ध लेखक लू शुन के नाम पर स्थापित है। 2019 के आसपास डिलीवरी राइडर बने वांग ने अपनी कविताओं और निबंधों के कारण सोशल मीडिया पर काफी चर्चा बटोरी थी। वह वर्तमान में साहित्य में अपनी पहचान बना रहे उन श्रमिक कामगारों के बढ़ते समूह का हिस्सा हैं, जिनकी रचनाएं चीन की तीव्र गति वाली गिग इकोनॉमी में कामगारों द्वारा झेले जाने वाले दबाव और संघर्ष की झलक देती हैं। वांग के लिए यह प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कार दशकों के कठिन संघर्ष और अनेक छोटे-मोटे काम करने के बाद की उपलब्धि है। पुरस्कार जीतने की खबर सार्वजनिक होने के बाद, 15 जुलाई को उन्होंने सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स से कहा, मैंने सांस रोकी और मुझे बहुत घबराहट महसूस हुई... लेकिन जब परिणाम सार्वजनिक हुआ, तो सब कुछ शांत हो गया।

उनके अनुसार, पुरस्कार के बाद मीडिया के ध्यान ने उन पर भारी मानसिक दबाव पैदा किया था। हालांकि लू शुन साहित्य पुरस्कार की राशि की सार्वजनिक घोषणा नहीं की जाती है, लेकिन 2014 में यह 1,00,000 चीनी युआन (लगभग 14,800 अमेरिकी डॉलर या 11,000 पाउंड) थी। जियांगसू प्रांत में जन्मे वांग को घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण किशोरावस्था में ही स्कूल छोड़ना पड़ा था। फूड डिलीवरीमैन बनने से पहले उन्होंने निर्माण क्षेत्र में काम करने, कचरा इकट्ठा करने और सड़क के किनारे दुकान लगाकर सामान बेचने तक के विभिन्न काम किए थे।

2022 में ऑनलाइन वायरल हुई थी मैन इन अ हरी कविता

2022 में, मैन इन अ हरी शीर्षक से उनकी कविता ऑनलाइन वायरल हुई थी। यह कविता 2019 की एक घटना से प्रेरित थी, जिसमें एक ग्राहक द्वारा गलत पता दिए जाने के कारण उन्हें डिलीवरी के लिए घंटों भटकना पड़ा था। इसके बाद 2023 में उन्होंने अपना पहला कविता संग्रह, मैन इन अ हरी: एक फूड डिलीवरी राइडर की कविताएं प्रकाशित किया। पुरस्कार जीतने के बावजूद वांग ने अपनी नौकरी छोड़ने की कोई योजना नहीं होने की बात कही है। उन्होंने 60 वर्ष की आयु तक काम करने की योजना बनाई है। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा था, आर्थिक रूप से जीविकोपार्जन के लिए मुझे इस नौकरी की आवश्यकता नहीं है, लेकिन मुझे काम का यह माहौल पसंद है और यह मुझे फिट रखता है। उन्होंने आगे कहा, मैं बहुत यथार्थवादी जीवन चाहता हूं और यह पुरस्कार इस बात को कभी नहीं बदलेगा कि मैं कौन हूं। 2024 में प्रकाशित लो फ्लाइट वांग द्वारा लगभग 200 डिलीवरी राइडर्स के साथ किए गए साक्षात्कार और सर्वेक्षण से प्रेरित कविताओं का संग्रह है। उनकी कविता की एक पंक्ति में कहा गया है, कौन कहता है कि पंख फैलाने का मतलब ऊंचा उड़ना है? नीची उड़ान भी उड़ान ही है।

अपने ऑफिस में मृत पाए गए त्रिपुरा के डीजीपी

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

सुसाइड की आशंका, जांच जारी, उप्र के रहने वाले थे

त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ सोमवार को राज्य पुलिस मुख्यालय स्थित अपने ऑफिस में मृत पाए गए। कुछ मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सुसाइड करने की चर्चाएं हैं।

अनुराग यूपी के बागपत जिले के बिहारीपुर गांव के रहने वाले थे। यूं अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत की खबर से गांव में मातम पसर गया है। अनुराग धनखड़ 1994 बैच के आईपीएस अफसर थे। अनुराग धनखड़ 1984 के सिख विरोधी दंगों की जांच के लिए बनी एसआईटी के प्रमुख भी रहे। 2003-04 में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के कोसोवो मिशन में सेवाएं दीं। 2005 से 2013 तक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर सीबीआई में एसपी और डीआईजी रहे। इसके बाद 2013 से 2016 तक त्रिपुरा में आईजी के पद पर तैनात रहे।

दिल्ली सरकार ने दी परिवर्तन योजना को मंजूरी, पुराने व्यावसायिक वाहनों को बदलने पर आकर्षक प्रोत्साहन

नई दिल्ली, 20 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की परिवर्तन (ट्रांसपोर्ट से होने वाले वायु प्रदूषण और नेटवर्क उत्सर्जन को कम करने के लिए वाहन संपत्तियों के तेजी से नवीनीकरण और प्रोत्साहन का कार्यक्रम परिवर्तन (परिवहन वायु प्रदूषण एवं नेटवर्क उत्सर्जन में कमी हेतु वाहन परिसंपत्तियों के त्वरित नवीनीकरण और प्रोत्साहन कार्यक्रम) योजना को दिल्ली में लागू करने और उसका समर्थन करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि यह योजना पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों और बसों को हटाकर उनकी जगह बीएस-6, उससे भी कड़े प्रदूषण मानकों वाले या इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है। यह स्वीकृति हाल ही में आयोजित दिल्ली सरकार की कैबिनेट की बैठक में दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना दिल्ली-एनसीआर में पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों और बसों को हटाकर उनकी जगह बीएस-6, उससे भी कड़े उत्सर्जन मानकों का पालन करने वाले या इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे राजधानी में स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और व्यावसायिक वाहनों के आधुनिकीकरण के साथ-साथ वायु प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिलेगी।

उन्होंने जानकारी दी कि योजना के तहत यदि कोई वाहन मालिक अपना बीएस-4 या उससे नीचे का हल्का मालवाहक वाहन (एलजीवी) स्क्रैप कराकर नया इलेक्ट्रिक एलजीवी खरीदता है तो उसे दिल्ली सरकार की ओर से 10 वर्षों के लिए 100 प्रतिशत मोटर वाहन कर में छूट और 100 प्रतिशत पंजीकरण शुल्क माफी दी जाएगी। इसके साथ ही ब्याज में 5 प्रतिशत की सब्सिडी (सबवेंशन), वाहन निमार्ता (ओईएम) की ओर से 8 प्रतिशत की छूट और ईंधन वाउचर या

ईंधन वाउचर के रियायती मूल्य के बराबर एकमुश्त लाभ भी मिलेगा। वहीं, यदि नया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के बजाय पुराना इलेक्ट्रिक वाहन खरीदा जाता है तो लाभार्थी को 10 वर्षों के लिए 50 प्रतिशत मोटर वाहन कर में छूट, ब्याज में 5 प्रतिशत की सब्सिडी (सबवेंशन) और ईंधन वाउचर के रियायती मूल्य के बराबर एकमुश्त लाभ दिया जाएगा।

योजना के तहत बीएस-4 या उससे नीचे के मध्यम (एमजीवी) और भारी मालवाहक वाहन (एचजीवी) भी बदले जा सकेंगे। ऐसे वाहन स्क्रैप कर नए बीएस-4, उससे कड़े उत्सर्जन मानकों का पालन करने वाले या इलेक्ट्रिक मालवाहक वाहन खरीदने पर 10 वर्षों के लिए 100 प्रतिशत मोटर वाहन कर में छूट, 100 प्रतिशत पंजीकरण शुल्क माफी, ब्याज में 5 प्रतिशत की सब्सिडी (सबवेंशन), ओईएम की ओर से 8 प्रतिशत छूट और ईंधन वाउचर या ईंधन वाउचर के रियायती मूल्य के बराबर एकमुश्त लाभ मिलेगा। वहीं यदि नया वाहन खरीदने के स्थान पर पुराना बीएस-6 या इलेक्ट्रिक मालवाहक वाहन खरीदा जाता है तो 10 वर्षों के लिए 50 प्रतिशत मोटर वाहन कर में छूट, ब्याज में 5 प्रतिशत की सब्सिडी (सबवेंशन) और ईंधन वाउचर या उसके रियायती मूल्य के बराबर एकमुश्त लाभ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना में पुरानी बीएस-4 या उससे नीचे की बसों को भी शामिल किया गया है। इन बसों को केवल बीएस-6 सीएनजी या इलेक्ट्रिक बसों से बदला जा सकेगा और उन्हें भी मालवाहक वाहनों के समान सभी लाभ उपलब्ध होंगे।

उन्होंने बताया कि योजना के तहत स्क्रैप किए जाने वाले पात्र वाहनों को एक वर्ष से अधिक समय से लंबित रोड टैक्स और फिटनेस पेनल्टी की देनदारियों में भी राहत दी जाएगी। इसके अतिरिक्त जिन बीएस-4 वाहनों को इस योजना के तहत बदला जाना है, उन्हें अनिवार्य रूप से स्क्रैप कराना आवश्यक नहीं होगा। ऐसे वाहन एनसीआर के बाहर स्थित नॉन-एनसीएपी शहरों में भी बेचे जा सकेंगे। नॉन-एनसीएपी यानी वे शहर जो नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) की सूची में नहीं हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना से दिल्ली-एनसीआर के लगभग 2.07 लाख ट्रक और बस मालिकों को लाभ मिलने की संभावना है। इससे बड़ी संख्या में पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले व्यावसायिक वाहनों की जगह स्वच्छ और आधुनिक वाहन सड़कों पर आएंगे, जिससे वायु प्रदूषण में कमी आएगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए योजना में यह प्रावधान किया गया है कि दिल्ली में इस योजना के तहत खरीदे जाने वाले सभी एलजीवी, केवल इलेक्ट्रिक होंगे। वहीं, बसों के लिए केवल बीएस-6 सीएनजी या इलेक्ट्रिक (ईवी) वाहनों की ही अनुमति होगी।

संक्षिप्त समाचार

मौसमी बीमारियों को लेकर सरकारी अस्पतालों को सतर्क रहने का निर्देश जारी

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने मानसून के दौरान सरकारी अस्पतालों को मौसमी बीमारियों को लेकर सतर्क और तैयार रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस अहम बैठक में विशेष रूप से मानसून के मौसम को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस बैठक का मुख्य मकसद राजधानी के सभी सरकारी अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों, जांच सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। समीक्षा के दौरान डॉ पंकज कुमार सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध रहे तथा मरीजों के लिए जरूरी पैथोलॉजी और अन्य जांच सुविधाएं बिना किसी बाधा के संचालित हों। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर उपचार और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए। मानसून के दौरान डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया सहित अन्य मौसमी एवं वेक्टर जनित बीमारियों के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने सभी अस्पतालों को पूरी तरह सतर्क और तैयार रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों में दवाइयों, जांच सुविधाओं तथा अन्य जरूरी चिकित्सा संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के तकनीकी पदों पर रिक्तियों की भी समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि रिक्त तकनीकी पदों को शीघ्र भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और सभी आवश्यक औपचारिकताएं जल्द पूरी की जाएं। बैठक के दौरान जीटीबी अस्पताल में हाल ही में हुई घटना की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री को इस मामले की विस्तृत जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने बैठक में अवगत कराया कि घटना की विस्तृत जांच के लिए विशेष सचिव (स्वास्थ्य) की अध्यक्षता में एक जांच समिति का गठन किया गया है। समिति को तीन दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर डॉ पंकज कुमार सिंह ने स्पष्ट कहा कि जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध उचित एवं कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पतालों की तैयारियों की नियमित निगरानी की जाए और समीक्षा बैठक में दिए गए सभी निदेशों का समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित किया जाए।

ईस्ट ऑफ कैलाश में किराये के कमरे में युवक-युवती मृत मिले, सुसाइड नोट बरामद, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, 20 जुलाई (हि.स.)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र के संत नगर, ईस्ट ऑफ कैलाश में रविवार सुबह एक किराये के कमरे से युवक और युवती के शव मिले। शुरूआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसकी जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, सुबह 9:08 बजे अमर कॉलोनी थाने में पीसीआर कॉल मिली कि संत नगर में एक युवक और युवती ने आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि युवती के एक दोस्त या पड़ोसी ने काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर उसे तोड़ दिया था। कमरे के अंदर 26 वर्षीय युवती, जो महाराष्ट्र के नागपुर की रहने वाली थी। बिस्तर पर मृत अवस्था में मिली। वहीं 30 वर्षीय अनमोल कुंडा पाटिल छत के पंखे से नायलॉन की रस्सी के सहारे फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और कई अहम साक्ष्य जुटाए। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जो प्रथम दृष्टया युवक द्वारा लिखा हुआ प्रतीत होता है। पुलिस उसकी हैंडराइटिंग और अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एम्स की मोर्चरी भेज दिया गया है। मृतक और मृतका के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि आत्महत्या के पीछे की वजह जानने के लिए दोनों के संबंध, पारिवारिक और अन्य परिस्थितियों की जांच की जा रही है। मामले में सभी संभावित पहलुओं पर जांच जारी है।

केजरीवाल ने सीजेपी के प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज की निंदा की

नई दिल्ली, 20 जुलाई (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के जंतर-मंतर से संसद मार्च के दौरान हुए कथित लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल की कड़ी निंदा की। उन्होंने केंद्र सरकार से अपना अहंकार छोड़ने और छात्रों की मांगें सुनने की अपील की।

केजरीवाल ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे छात्रों को दुश्मन जैसा समझा जा रहा है और उन पर लाठीचार्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के युवा कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन परीक्षा से पहले पेपर लीक हो जाते हैं। जब युवा न्याय मांगने के लिए सड़क पर उतरते हैं, तो सरकार उन पर बल प्रयोग करती है।

केजरीवाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि युवाओं का गुस्सा भारी पड़ सकता है। सरकार को दमन का रास्ता छोड़कर छात्रों के साथ बैठकर उनकी समस्याएं सुननी चाहिए। उन्होंने सरकार से अपील की है कि वह देश के बच्चों की बात सुने।

दिल्ली भाजपा में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल, नए प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा

नई दिल्ली, 20 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली प्रदेश संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में गठित नई टीम को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की स्वीकृति तथा केंद्रीय नेतृत्व से विचार-विमर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया है।

नई कार्यकारिणी में 10 प्रदेश उपाध्यक्ष, तीन महामंत्री, एक कोषाध्यक्ष, नौ प्रदेश मंत्री, एक कार्यालय मंत्री और एक कार्यालय सह-मंत्री नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही मीडिया, आईटी तथा विभिन्न मोर्चों के अध्यक्षों की भी घोषणा की गई है।

प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में राजेश भाटिया, सुनील यादव, ऋचा पांडे मिश्रा, कौशल मिश्रा, सारिका जैन, विनोद बछेती, बिकम बिधूड़ी, रंजीत कश्यप, सोना कुमारी और विजय सोलंकी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, योगिता सिंह और मोहन लाल गिरहा बनाए गए हैं, जबकि सतीश गर्ग को प्रदेश कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

प्रदेश मंत्रियों में गौरव खारी, नरेश वशिष्ठ, रोहित चहल, मनोज कुमार जाटव, अभिषेक टंडन, कृष्ण देव सिंह (कृष्णा), राज गौतम, प्रवीणा शर्मा और गुरमीत सिंह सूरा शामिल हैं।

कैलाश जैन को कार्यालय मंत्री तथा अमित कुमार गुप्ता को कार्यालय सह-मंत्री बनाया गया है। प्रदेश मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर, मुख्य प्रवक्ता डॉ. अनिल गुप्ता, मीडिया रिलेशन प्रमुख शुभेंदु शेखर अवस्थी, सोशल मीडिया प्रमुख डॉ. रोहित उपाध्याय तथा आईटी प्रमुख पुनीत अग्रवाल नियुक्त किए गए हैं। भाजपा ने अपने विभिन्न मोर्चों के अध्यक्षों की भी घोषणा की है। रजत चौधरी को युवा मोर्चा, अर्चना गुप्ता को महिला मोर्चा, संतोष पाल को ओबीसी मोर्चा, लाजपत राय को अनुसूचित जाति मोर्चा, सी.एल. मीणा को अनुसूचित जनजाति मोर्चा, संतोष ओझा को पूर्वांचल मोर्चा, देवेंद्र सोलंकी को किसान मोर्चा तथा अनीस अब्बासी को अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि नई टीम संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करेगी तथा आगामी राजनीतिक चुनौतियों और चुनावी तैयारियों को नई गति देगी।

लाठी से आंदोलन नहीं रुकते, सरकारों की विदाई तय होती है: आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुए कथित लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल की कड़ी निंदा करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कहा कि छात्रों की आवाज दबाने के लिए बल प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि लाठी की चोट से आंदोलन नहीं रुकते, सरकारों की विदाई तय होती है।

पार्टी मुख्यालय में सोमवार को पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस पत्रकार वार्ता में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, राज्यसभा सांसद संजय सिंह, दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी, गुजरात प्रदेश प्रभारी गोपाल राय, बुराड़ी विधायक संजीव झा और राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनुराग ढांडा मौजूद रहे।

इस अवसर पर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जंतर-मंतर पर देशभर से पहुंचे छात्रों ने यह संदेश दिया है कि देश की युवा पीढ़ी केंद्र सरकार की नीतियों से नाराज है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय दमन का रास्ता अपना रही है।

राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि नीट पेपर लीक मामले और

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर छात्र पिछले 23 दिनों से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ कथित लाठीचार्ज किया गया, जो लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि छात्र केवल इतना चाहते हैं कि देश में पेपर लीक जैसी घटनाएं न हों और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार संवाद करने के बजाय प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाने और आंसू गैस का इस्तेमाल करने का रास्ता चुन रही है।

गुजरात प्रदेश प्रभारी गोपाल राय ने आरोप लगाया कि छात्रों के समर्थन में अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को भी जंतर-मंतर से हटाया गया, जिससे सरकार का दमनकारी रवैया सामने आता है। उन्होंने सरकार के सामने तीन मांगें रखीं है पहली की प्रदर्शनकारी अभिजीत दीपके की तत्काल रिहाई, दूसरी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाया जाए और तीसरी छात्रों पर कथित लाठीचार्ज व आंसू गैस के इस्तेमाल के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि छात्रों की आवाज इसी तरह दबाई गई तो भविष्य में आंदोलन और व्यापक हो सकता है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने मांगी सोनम वांगचुक की विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट, डॉक्टर को भी किया तलब

नई दिल्ली, 20 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली उच्च न्यायालय की डिवीजन बेंच ने जंतर-मंतर पर करीब बीस दिनों तक अनशन पर बैठने वाले सोनम वांगचुक की विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट सफदरजंग अस्पताल के डायरेक्टर से मांगी है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने सोनम वांगचुक की देखभाल करने वाले डॉक्टर को भी 21 जुलाई को कोर्ट में उपस्थित रहने का निर्देश दिया।

उच्च न्यायालय ने कहा कि सफदरजंग अस्पताल, एम्स और एक निजी लैब की रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल की जाए। ये सभी रिपोर्ट संबंधित अस्पताल और लैब के डायरेक्टर की ओर से हलफनामा के रुप में दाखिल की जाएं। उच्च न्यायालय ने सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो से कहा कि उनके द्वारा बताए गए रिपोर्ट को भी दाखिल करें।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार केवल सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है और सोनम वांगचुक के जीवन को लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नागरिकों के विरोध के अधिकारों का ये मतलब नहीं है कि वह खुदकुशी करें।

गीतांजलि आंग्मो ने सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती दी है। जस्टिस मिनी पुष्करणा की सिंगल बेंच ने 19 जुलाई को गीतांजलि की याचिका पर कोई भी आदेश देने से इनकार कर दिया था। सिंगल बेंच ने गीतांजलि आंग्मो की याचिका पर कोई भी अंतरिम आदेश देने से इनकार करते हुए केंद्र सरकार को सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य संबंधी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था।

सिंगल बेंच के समक्ष सुनवाई के दौरान गीतांजलि की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि सोनम वांगचुक को उनकी पसंद के अस्पताल और डॉक्टर के पास इलाज कराने का अधिकार है। तब कोर्ट ने कहा था कि सरकारी डॉक्टरों पर संदेह क्यों कर रहे हैं। इस पर सिब्बल ने कहा था कि मैं सरकारी डॉक्टर पर संदेह नहीं कर रहा हूं। मैं सिर्फ ये चाहता हूं कि सोनम वांगचुक और उनके परिवार को उनके पसंद के अस्पताल और डॉक्टर के पास भेजा जाए। सिब्बल ने कहा था कि सोनम वांगचुक की निगरानी के लिए पुलिस तैनात है। उनकी पत्नी और परिवार को मिलने तक नहीं दिया जा रहा है और इंतजार कराया जा रहा है।

केंद्र सरकार की ओर से पेश एएसजी चेतन शर्मा ने कहा था कि सरकार किसी की जान बचाने के कर्तव्य से बंधी हुई है। सोनम वांगचुक को कुछ होता है तो इसके परिणाम होंगे। शर्मा ने कहा था कि एम्स और सफदरजंग में राष्ट्रपति और दूसरी बड़ी हस्तियां इलाज के लिए आती हैं। सुनवाई के दौरान मौके पर मौजूद एम्स के एक डॉक्टर ने कहा कि उन्हें हमारे ऊपर विश्वास नहीं है। केवल भरोसे का सवाल है। तब सिब्बल ने कहा था कि वहां पुलिस वाला क्या कर रहा था, उसका बीपी बढ़ा हुआ था। क्या वो मरीज का इलाज कर रहा था। तब चेतन शर्मा ने कहा कि ये गलत है, कोई पुलिसकर्मी नहीं था।

सुनवाई के दौरान गीतांजलि ने कहा था कि हम पोटैसियम को लेकर दूसरी राय चाहते थे लेकिन इसके लिए हमें मना किया गया। उसके बाद उन्होंने सैंपल के लिए कहा तो वो 12 घंटे बाद दिया गया। जब हम लैब में गए तो सभी बंद हो चुके थे। तब चेतन शर्मा ने कहा था कि ये कोर्ट है एक्टिविज्म की जगह नहीं है।

गीतांजलि ने याचिका दायर कर सफदरजंग अस्पताल से उन्हें तुरंत रिहा करने या किसी दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने की मांग की है। गीतांजलि ने आरोप लगाया है कि वांगचुक को उनके परिवार, वकीलों और उनके निजी डॉक्टरों से अलग रखकर अवैध रूप से हिरासत में रखा गया है।

याचिका में कहा गया है कि सोनम वांगचुक को 18 जुलाई की सुबह जंतर-मंतर से दिल्ली पुलिस ने उठा लिया और बिना उनकी सहमति के उन्हें सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। याचिका में कहा गया है कि सोनम वांगचुक के खिलाफ बिना किसी आपराधिक केस दर्ज किए या किसी कोर्ट से गिरफ्तारी या निरोधात्मक कार्रवाई करने के आदेश के अस्पताल में लगातार रखना गैरकानूनी है। उन्हें चिकित्सकीय हस्तक्षेप की आड़ में हिरासत में रखा गया है। ऐसा केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शन से हटाने के लिए किया गया है।

इंस्पायर एसएचई छात्रवृत्ति वितरण में देरी पर अभाविप ने केंद्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की इंस्पायर स्कॉलरशिप फॉर हायर एजुकेशन (एसएचई) योजना में अधिसूचना जारी होने और छात्रवृत्ति एवं फेलोशिप वितरण में हो रही देरी को लेकर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा। अभाविप ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए अब तक योजना की अधिसूचना जारी नहीं होने पर चिंता जताई। संगठन का कहना है कि हर वर्ष सितंबर-अक्टूबर में अधिसूचना जारी होने से विद्यार्थियों को समय पर वित्तीय सहायता मिलती है, लेकिन इस बार देरी के कारण हजारों विद्यार्थी असमंजस की स्थिति में हैं। साथ ही, लंबित छात्रवृत्ति और फेलोशिप की राशि समय पर नहीं मिलने से शोध कार्य, प्रयोगशाला आधारित अध्ययन और अन्य शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। ज्ञापन में अभाविप ने 2025-26 की अधिसूचना शीघ्र जारी करने, लंबित छात्रवृत्ति एवं फेलोशिप का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने, भविष्य में अधिसूचना और निधि वितरण के लिए निश्चित एवं पारदर्शी समय-सीमा तय करने तथा प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र विकसित करने की मांग की।

भविष्यफल

मेष- आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष- सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-4-6-8

मिथुन- नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

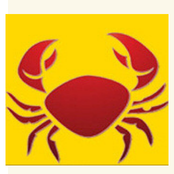

कर्क- ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह- आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या- 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला- जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक- लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु- अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर- कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ- होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-

मीन- राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

नष्ट ईरानी ड्रोन से बरामद विस्फोटक सामग्री निष्क्रिय करने में यूएस सैनिक की मौत

यूएस ने 9वीं रात ईरान पर किए हवाई हमले, अब इजराइल ने भी कसी कमर

ईरान ने स्पष्ट तौर पर कहा- अब वह किसी वार्ता के लिए तैयार नहीं

● वाशिंगटन / तेहरान / (एजेंसी)

यूएस ने ईरान के खिलाफ लगातार नौवीं रात हवाई हमले कर अपने सैन्य अभियान को और तेज कर दिया है और इस संघर्ष के विस्तार के साथ एक और अमेरिकी सैनिक की मौत हो गई है।वहीं इजराइल भी ईरान पर हमले की तैयारी कर रहा है। इसके बावजूद ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह तब तक किसी वार्ता के लिए तैयार नहीं है, जब तक उसे युद्ध क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत नहीं मिल जाती।

यूएस केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने बताया कि शनिवार शाम स्थानीय समयानुसार सात बजे से लगातार नौवीं रात ईरान के खिलाफ नये हवाई हमले शुरू किये गये। सेंटकॉम के अनुसार, इन हमलों में ईरानी सैन्य कमान केंद्रों, मिसाइल और ड्रोन प्रक्षेपण स्थलों, वायु रक्षा प्रणालियों, तटीय निगरानी केंद्रों, समुद्री सैन्य ढांचे और संचार नेटवर्क को निशाना बनाया गया।

सेंटकॉम ने कहा कि इन अभियानों का उद्देश्य होर्मुज से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक नौवहन के लिए खतरा पैदा करने वाली ईरानी सैन्य क्षमताओं को और कमजोर करना है। यूएस सेना ने बताया कि उत्तरी इराक में मार गिराए एक ईरानी ड्रोन से बरामद विस्फोटक सामग्री को निष्क्रिय करने के दौरान एक यूएस सैनिक की मौत हो गई। इससे पहले शुक्रवार को जॉर्डन में ईरानी हमले में दो अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। अधिकारियों ने बाद में बताया कि मानव अवशेष बरामद किए हैं और उनकी पहचान कर यह पुष्टि की जा रही है कि वे पहले लापता बताए गए सैनिक के हैं।

यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ताजा हवाई हमले मारे गये सैनिकों की मौत का बदला लेने के लिए किये गये हैं। उन्होंने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमता को गंभीर नुकसान पहुंचा है और उसके पास अब बहुत सीमित मिसाइल, ड्रोन तथा उत्पादन क्षमता बची है।

अमेरिकी विमानों को निशाना बनाने का दावा

ईरान की आईआरजीसी ने कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और जॉर्डन के अकाबा हवाई अड्डे पर अमेरिकी विमानों को निशाना बनाने का दावा किया। हालांकि कुवैत ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने ईरानी ड्रोन को मार गिराया। बहरीन में संभावित ईरानी हमले की आशंका के बीच चेतावनी सायरन बजाए गए और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई। वहीं, यूएस दूतावास ने मध्य मनामा में संभावित हमलों को लेकर चेतावनी जारी की। उधर, यूकेएमटीओ ने ओमान के तट के पास एक जहाज में आग लगने की सूचना दी है। हालांकि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। इस बीच, युद्ध के और फैलने की आशंका से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में चिंता बढ़ गई है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गयी, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 85 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार करता देखा गया।

यूएस ने हमला किया तो नहीं बचेगा यूएई, दुबई-अबू धाबी एयरपोर्ट

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरान ने यूएई को कड़ी चेतावनी दी है। ईरानी मीडिया में प्रकाशित एक बयान के अनुसार, यदि अमेरिका ने ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे पर नए हमले किए, तो दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट, अबू धाबी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेबेल अली पोर्ट और फुजैराह पोर्ट को खाली करा लेना चाहिए।

ईरान की सीधी धमकी

ईरानी मीडिया में प्रकाशित चेतावनी में ईरान का कहना है कि यदि अमेरिकी हमले जारी रहे, तो क्षेत्र के महत्वपूर्ण परिवहन और व्यापारिक केंद्र भी जोखिम में आ सकते हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव लगातार तेज हो रहा है।

हूती ने किया सऊदी अरब की नाकेबंदी का ऐलान

सना। ईरान समर्थित यमनी मिलिशिया हूती ने सोमवार को सऊदी अरब की नाकेबंदी करने की घोषणा की। यह कदम सना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर सऊदी के नेतृत्व में हाल ही में हुए हमले के जवाब में उठाया गया है। हूती के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने समूह के अल-मसीराह टेलीविज़न नेटवर्क पर जारी एक बयान में कहा कि यमनी सशस्त्र बल अपराधी सऊदी दुश्मन के लिए समुद्री आवाजाही पर प्रतिबंध की घोषणा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह नाकेबंदी इस बयान की घोषणा के साथ ही लागू हो जाएगी। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि इसे कैसे लागू किया जाएगा।

यूक्रेन से अनाज ला रहे जहाज पर क्रूज मिसाइल से हमला, 4 भारतीयों की मौत

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय विदेश मंत्रालय ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि गिनी-बिसाउ का झंडा लगे जहाज एमवी गोल्डन लियो पर 19 जुलाई की शाम को हमला हुआ है। इस जहाज पर कुल 17 क्रू मेंबर थे, जिनमें पांच भारतीय शामिल थे। जिस समय इस जहाज पर क्रूज मिसाइल से हमला किया गया, उससे कुछ देर पहले ही ये शिप यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से अनाज लोड कर निकला था। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ये कार्गो जहाज पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी-बिसाऊ के झंडे तले समंदर में आगे बढ़ रहा था।

रूस पर भड़का कीव

यूक्रेन की नेवी ने टेलीग्राम मैसेजिंग एप पर लिखा कि रविवार को गोल्डन लियो- गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले जहाज पर तीन क्रूज मिसाइलों से हमला किया। इस जहाज पर भारत और सीरिया के क्रू ने काम किया था। काला सागर में जहां ये हमला किया गया, वहां अक्सर सैन्य कार्रवाई की खबरें आती रही हैं। हमले में क्रूज मिसाइलों ने जहाज को तबाह कर दिया है। जिससे काफी ज्यादा नुकसान हुआ है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाना बेहद चिंताजनक है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय दूतावास यूक्रेनी अधिकारियों से लगातार संपर्क में है और प्रभावित लोगों की हर संभव मदद कर रहा है।

यूक्रेन ने मॉस्को की ओर दागे 400 सुसाइड ड्रोन

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में तनाव और बढ़ गया है। यूक्रेन ने रविवार रात से सोमवार सुबह तक रूसी राजधानी मॉस्को की ओर 400 से अधिक आत्मघाती ड्रोन दागे। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। मेयर सोब्यानिन ने बताया कि अधिकांश ड्रोन राजधानी से काफी दूर ही नष्ट कर दिए गए, जबकि 85 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र में रोक लिए गए। मॉस्को के आसपास के क्षेत्रीय गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव के अनुसार, इस हमले में 10 लोग घायल हुए हैं। कई आवासीय इमारतों और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। डोमोडेडोवो जिले की प्रशासनिक प्रमुख येवगेनिया ख्रुस्तलेवा ने बताया कि मॉस्को से करीब 30 किलोमीटर दक्षिण में युज्नी व्राटा इंडस्ट्रियल पार्क में आग लग गई। एस्ट्रा न्यूज ने भी मॉस्को से 20 किलोमीटर दूर पोडोल्स्क में एक तेल डिपो में आग की सूचना दी, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि यह हमला रूस द्वारा यूक्रेन के कीव समेत कई शहरों पर बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के कुछ घंटों बाद हुआ।

लेबर पार्टी प्रमुख बर्नहैम बने ब्रिटेन के नए पीएम

राजनीतिक एवं आर्थिक मॉडल में बड़े स्तर पर बदलाव लाने के दिए संकेत

● लंदन / (एजेंसी)

कीर स्टार्मर के इस्तीफे के बाद सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के नेतृत्व चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल कर एंडी बर्नहैम ने यूके के 59वें प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभाली है। वे इसके साथ ही, वह पिछले 10 वर्षों में यूके के सातवें प्रधानमंत्री बन गए हैं। 56 वर्षीय बर्नहैम ने बकिंघम पैलेस में किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात की और औपचारिक रूप से सरकार बनाने का निमंत्रण स्वीकार किया।

सत्ता हस्तांतरण की यह प्रक्रिया कीर स्टार्मर द्वारा महामहिम को अपना इस्तीफा सौंपने के तुरंत बाद पूरी हुई। किंग का निमंत्रण स्वीकार करते ही बर्नहैम आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री बन गए, ब्रिटिश राजनीतिक परंपरा में इस आधिकारिक समारोह को किसिंग हैंड्स कहा जाता है। ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर सितंबर तक सांसदों का सामना नहीं करेंगे जब संसद का छह सप्ताह का ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त होगा, जिन्हें किंग ऑफ द नॉर्थ के नाम से भी जाना जाता है, जब तक कि वे इससे पहले हाउस ऑफ कॉमन्स को वापस बुलाने का फैसला न करें। संसद के अवकाश के दौरान बर्नहैम अगस्त में यूके के एक लिसनिंग टूर पर निकलेंगे।

समझा जाता है कि उनके यात्रा कार्यक्रम में दक्षिण वेल्स का पोर्ट टैलबोट शामिल है। यहां सितंबर 2024 में आखिरी स्टील-मेकिंग ब्लास्ट फर्नेस बंद हो गया था, जिससे हरित इस्पात निर्माण की ओर बदलाव के दौरान 2,800 लोगों की नौकरी चली गई थी।

114 साल बाद हुई ऐतिहासिक नीलामी

टाइटैनिक का लाइफ जैकेट 6.7 करोड़ रुपए में बिका

● लंदन / (एजेंसी)

दुनिया के सबसे फेमस समुद्री हादसों में शामिल आरएमएस टाइटैनिक से जुड़ी एक बेहद दुर्लभ वस्तु 114 साल बाद रिकॉर्ड कीमत पर नीलाम हुई है। यह कोई नॉर्मल सामान नहीं, बल्कि टाइटैनिक हादसे में बची 22 वर्षीय फर्स्ट क्लास यात्री लॉरा मेबेल फ्रैंकाटेली का लाइफजैकेट है। इस ऐतिहासिक वस्तु को ब्रिटेन के विल्टशायर स्थित नीलामी घर हेनरी एल्ड्रिज एंड सन ने करीब 670,000 पाउंड (लगभग 6.7 करोड़ रुपये) में बेचा। सभी शुल्क जोड़ने के बाद की कुल कीमत करीब 9 लाख अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह टाइटैनिक हादसे में बचने वाले किसी यात्री का एकमात्र प्रमाणित लाइफजैकेट है, जो सार्वजनिक नीलामी में बिक्री के लिए आया। नीलामी घर ने इसे बेहद दुर्लभ और जीवन में एक बार मिलने वाला ऐतिहासिक अवसर बताया।

यूएस उपराष्ट्रपति जेडी वेंस-उषा के घर गूंजी किलकारी

अमेरिका में 156 साल का इतिहास फिर दोहराया

● वाशिंगटन / (एजेंसी)

यूएस उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और सेकंड लेडी उषा वेंस के घर एक बार फिर किलकारियां गूंजी हैं। रविवार को उनके चौथे बच्चे का जन्म हुआ है। दंपति ने सोशल मीडिया पर खुद यह खुशखबरी साझा की और बताया कि उनके यहां एक बेटे के जन्म हुआ है। इसके साथ ही जेडी वेंस पिछले 156 सालों में पद पर रहते हुए पिता बनने वाले पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति बन गए हैं।

बता दें कि इससे पहले ऐसा 1870 में हुआ था। तब तत्कालीन वीपी स्कायरलर कोलफैक्स और उनकी पत्नी एलेन वेड कोलफैक्स के घर उनके बेटे का जन्म हुआ था। वहीं उससे पहले 1829 में जॉन सी. कैलहून के उपराष्ट्रपति रहते उनके बेटे विलियम का जन्म हुआ था। अब जेडी वेंस यूएस इतिहास में ऐसे महज तीसरे उपराष्ट्रपति बन गए हैं। दंपति ने नवजात बेटे का नाम ऐलेक नील वेंस रखा है। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में जेडी वेंस और ऊषा वेंस ने लिखा कि हम यह साझा करते हुए बेहद उत्साहित हैं कि आज सुबह हमारे बेटे ऐलेक नील वेंस का जन्म हुआ है। उषा व बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं और हमारे बच्चे अपने छोटे भाई से मिलने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

बेटे का नाम ऐलेक नील वेंस रखा

ज्यादा बच्चे पैदा करने के समर्थक

इससे पहले जेडी वेंस (41) अमेरिका में घटती जन्म दर को लेकर अक्सर चिंता जताते रहे हैं और अमेरिकियों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित भी करते आए हैं। 2025 में वॉशिंगटन में आयोजित एक रैली में वेंस ने कहा था, ''मैं अमेरिका में और अधिक बच्चे चाहता हूं।'' वेंस ने पिछले साल राइट-विंग एक्टिविस्ट चार्ली किर्क की हत्या के बाद यह भी कहा था कि चार्ली की मौत ने उन्हें एक और बच्चा पैदा करने के फैसले को प्रभावित किया।

उषा वेंस का भारतीय कनेक्शन

अमेरिका की सेकेंड लेडी उषा वेंस का मूल नाता भारत के आंध्र प्रदेश से है। उषा के माता-पिता 1980 के दशक में भारत से अमेरिका चले गए थे, जिसके बाद 1986 में कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में उषा का जन्म हुआ। उनके पिता एक मैकेनिकल इंजीनियर हैं, जबकि मां जीवविज्ञानी हैं।उषा और जेडी वेंस की मुलाकात येल लॉ स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोनों की दोस्ती एक राइटिंग प्रोजेक्ट के दौरान हुई जो धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। जेडी वेंस ने अपनी किताब हिलबिली एलिजी में उषा को अपनी सफलता का मुख्य आधार बताया है। दोनों 2014 में केंटकी में विवाह के बंधन में बंधे थे।

एनएसए डोभाल को तिलक अवार्ड

पुणे, (हि.स.) भारत के एनएसए अजित डोभाल को राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक मामलों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसकी घोषणा सोमवार को तिलक स्मारक ट्रस्ट ने की। तिलक स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. रोहित तिलक ने बताया कि पुरस्कार वितरण समारोह 1 अगस्त को पुणे में आयोजित होगा। इस अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में अजित डोभाल को सम्मानित करेंगे।

गोवा में होगा युवा उद्यमी शिखर सम्मेलन-2026, दक्षिण भारत के 1,000 युवा उद्यमी होंगे शामिल

नई दिल्ली/(दिव्य भारत ब्यूरो)। युवा उद्यमिता, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत के विजन को गति देने के उद्देश्य से आदिलीला फाउंडेशन द्वारा युवा उद्यमी शिखर सम्मेलन-2026 का आयोजन 25 से 27 जुलाई 2026 तक दक्षिण गोवा स्थित गोवा विलागियो रिसॉर्ट में किया जाएगा।

तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय सम्मेलन में दक्षिण भारत के लगभग 1,000 युवा उद्यमी, स्टार्टअप संस्थापक, पेशेवर और उभरते कारोबारी नेता भाग लेंगे।

नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन और आंध्र प्रदेश भवन परिसर के बाहर आयोजित प्रेस वार्ता में आदिलीला फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. एस. आदि नारायण ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करना, नवाचार को बढ़ावा देना, नेतृत्व क्षमता विकसित करना तथा विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि युवाओं को सशक्त बनाना, नवाचार को प्रेरित करना, आत्मनिर्भर भारत का निर्माण थीम पर आधारित इस सम्मेलन में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु के युवा उद्यमी एक साझा मंच पर अपने अनुभव, विचार और व्यावसायिक दृष्टिकोण साझा करेंगे। सम्मेलन के दौरान प्रतिष्ठित उद्योग विशेषज्ञों के मुख्य व्याख्यान, सफल उद्यमियों की प्रेरक वार्ताएं, नेतृत्व विकास सत्र, उद्यमिता कार्यशालाएं तथा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, डिजिटल परिवर्तन, रोजगार सृजन और सतत उद्यम विकास जैसे विषयों पर विशेषज्ञ पैनल चर्चा आयोजित की जाएगी। विशेष सत्रों में विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवा उद्यमियों की भूमिका पर विस्तार से विचार-विमर्श होगा। प्रतिभागियों को उद्योग जगत के दिग्गजों, निवेशकों, नीति विशेषज्ञों और मेंटर्स के साथ संवाद का अवसर भी मिलेगा, जिससे सहयोग, निवेश और नवाचार को नई दिशा मिलेगी। डॉ. एस. आदि नारायण ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं को केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजनकर्ता बनने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने दक्षिण भारत के इच्छुक उद्यमियों, स्टार्टअप संस्थापकों और युवा पेशेवरों से इस सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसका लाभ उठाने की अपील की।

खलील बने हमास के नए प्रमुख

गाजापट्टी, आरएनएन। गाजा में फिर से शुरू किए गए इजराइली हमलों के बीच फिलीस्तीनी चरमपंथी संगठन हमास ने भी बड़ा ऐलान किया है। करीब दो साल के लंबे इंतजार के बाद हमास ने अपने नए चीफ के नाम का ऐलान कर दिया है। खलील अल-हय्या को हमास के राजनीतिक ब्यूरो का नया प्रमुख चुना गया है। यह पद याह्या सिनवार की मौत के बाद से खाली पड़ा था, 1960 में गाजा पट्टी में जन्मे खलील अल-हय्या को एक अनुभवी वार्ताकार माना जाता है।

आज का इतिहास

- 1884: कोलकाता में भारत के पहले सार्वजनिक थियेटर की शुरुआत।
- 1899: अमेरिकी उपन्यासकार, लघु कहानी लेखक और पत्रकार अर्नेस्ट हेमिंग्वे का जन्म।
- 1947: क्रिकेट खिलाड़ी चेतन चौहान का जन्म।
- 1960: सिलोन में सिरिमावो भंडारनायके विश्व की पहली महिला पीएम बनी।
- 1962: भारत चीन के बीच सीमा पर युद्ध।
- 1963: काशी विद्यापीठ को विवि का दर्जा
- 1969: अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग एवं एडविन एल्ड्रिन चन्द्रमा पर उतरे।
- 1972: भूटान के तीसरे राजा जिग्मे दोरजी वांग्चुक का निधन।

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में निकली नशा मुक्ति जागरूकता रैली

चित्रकूट,(दिव्य भारत ब्यूरो)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति के तत्वावधान में सोमवार को नानाजी देशमुख परिसर में कृषि संकाय के विद्यार्थियों के लिए नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

रैली का शुभारंभ कृषि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. हरिशंकर कुशवाहा ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विश्वविद्यालय परिसर के प्रमुख मार्गों पर जनजागरूकता का संदेश दिया।

इस दौरान प्रतिभागियों ने नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, स्वस्थ युवा-समृद्ध भारत और नशा मुक्त समाज हमारा संकल्प जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से समाज को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर नशे के दुष्प्रभावों तथा उससे बचाव के उपायों के प्रति लोगों को जागरूक किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण युवाओं की जागरूकता और सक्रिय सहभागिता से ही संभव है।

उन्होंने विद्यार्थियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और स्वयं के साथ समाज को भी नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर प्रो. नंद लाल मिश्रा, प्रो. डी.पी. राय, प्रो. उमा शंकर मिश्रा, डॉ. योगेंद्र कुमार और डॉ. उमेश कुमार शुक्ला ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शिव शंकर सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन नोडल अधिकारी डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया।

न्यूजपेपर्स पब्लिशर्स,एडिटर्स एसो. की बैठक आयोजित

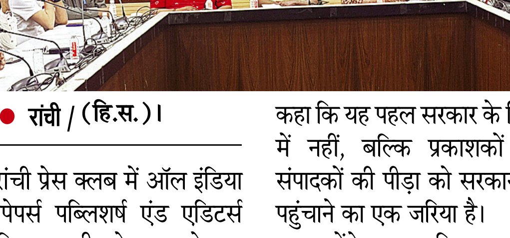

● रांची / (हि.स.)।

रांची प्रेस क्लब में ऑल इंडिया न्यूजपेपर्स पब्लिशर्ष एंड एडिटर्स एसोसिएशन की सोमवार को एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में झारखंड, बिहार, उप्र, उड़ीसा और प. बंगाल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य अखबारों के संचालन में आ रही व्यावहारिक और वित्तीय समस्याओं पर चर्चा करना था। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अशोक कुमार ने कहा कि यह पहल सरकार के विरोध में नहीं, बल्कि प्रकाशकों और संपादकों की पीड़ा को सरकार तक पहुंचाने का एक जरिया है।

उन्होंने बताया कि समस्याओं के हल के लिए एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही दिल्ली जाकर राष्ट्रपति, पीएम, गृह मंत्री, विभागीय मंत्री और उच्च अफसरों से मुलाकात करेगा। बैठक में प्रमुखता से मांग उठाई गई कि 75 हजार से कम प्रसार संख्या वाले अखबारों को जीएसटी और जटिल प्रक्रियाओं से पूर्ण छूट दी जाए।

संपादकीय

सरकारी स्कूल सुविधाओं में श्रेष्ठ, फिर भी निजी स्कूलों का बढ़ता आकर्षण क्यों?

सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में प्रतिस्पर्धी परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले योग्य शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है। इन स्कूलों में निशुल्क शिक्षा, पाठ्यपुस्तकें, यूनिफार्म, मध्याह्न भोजन, छात्रवृत्तियां और अनेक कल्याणकारी योजनाएं उपलब्ध हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में अभिभावक अधिक फीस देकर निजी स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाना पसंद कर रहे हैं। यह केवल शैक्षिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रश्न भी है। सरकार वर्षों से सरकारी विद्यालयों के बुनियादी ढांचे, संसाधनों और सुविधाओं को बेहतर बनाने पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, फिर भी निजी स्कूलों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। इसके पीछे कई कारण हैं, अभिभावकों की बदलती सोच, रोजगार की नई आवश्यकताएं, अंग्रेजी माध्यम का प्रभाव, विद्यालयों की कार्यशैली, अनुशासन, प्रबंधन और शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर बनी धारणाएं। आज अंग्रेजी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और वैश्विक रोजगार का माध्यम बन चुकी है। अधिकांश अभिभावकों का विश्वास है कि यदि बच्चा प्रारंभ से ही अंग्रेजी माध्यम में पढ़ेगा तो उसके भविष्य के अवसर अधिक होंगे। जबकि शिक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने से बच्चे की बौद्धिक क्षमता और समझ बेहतर विकसित होती है। इसके बावजूद अंग्रेजी के सामाजिक प्रभाव ने निजी स्कूलों की लोकप्रियता बढ़ाई है। निजी विद्यालय प्लेग्रुप से ही अंग्रेजी बोलने, संवाद कौशल और व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान देते हैं, जिससे अभिभावकों को लगता है कि उनका बच्चा प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए तैयार हो रहा है। सरकारी विद्यालयों के अधिकांश शिक्षक निजी विद्यालयों की तुलना में अधिक योग्य और प्रशिक्षित होते हैं। उनकी नियुक्ति कठोर चयन प्रक्रिया और प्रतियोगी परीक्षाओं के बाद होती है। लेकिन शिक्षा केवल शिक्षक की डिग्री से सफल नहीं होती। बच्चे पर व्यक्तिगत ध्यान, नियमित मूल्यांकन, विद्यालय का प्रभावी संचालन और उत्तरदायित्व भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या अधिक होने के कारण प्रत्येक छात्र पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कई बार प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थी भी पढ़ने-लिखने और गणना की बुनियादी दक्षताओं में कमजोर रह जाते हैं। इसके विपरीत निजी विद्यालय नियमित यूनिट टेस्ट, प्रोग्रेस रिपोर्ट, अभिभावक-शिक्षक बैठक और व्यक्तिगत परामर्श के माध्यम से बच्चों की प्रगति पर लगातार नजर रखते हैं। इससे अभिभावकों का विश्वास मजबूत होता है कि विद्यालय उनके बच्चे की पढ़ाई को गंभीरता से ले रहा है। सरकारी विद्यालयों की सबसे बड़ी चुनौती गैरशैक्षणिक कार्य हैं। चुनाव ड्यूटी, जनगणना, विभिन्न सरकारी सर्वेक्षण, आनलाइन रिपोर्टिंग, मध्याह्न भोजन का प्रबंधन तथा अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियां शिक्षकों के समय का बड़ा हिस्सा ले लेती हैं। इसका सीधा प्रभाव शिक्षण कार्य पर पड़ता है। दूसरी ओर निजी विद्यालयों में शिक्षकों का मुख्य दायित्व केवल शिक्षण, पाठ्यक्रम पूरा कराना और परिणाम सुधारना होता है, जिससे अध्ययन अधिक नियमित और व्यवस्थित रहता है। आज शिक्षा का अर्थ केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित नहीं रह गया है। अभिभावक चाहते हैं कि उनके बच्चे का सर्वांगीण विकास हो। निजी विद्यालय खेल, संगीत, नाटक, वाद-विवाद, चित्रकला, कराटे, स्केटिंग तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाते हैं। सरकारी विद्यालयों में भी पर्याप्त संसाधन और योजनाएं उपलब्ध हैं, लेकिन उनके प्रभावी संचालन, निरंतर मार्गदर्शन और बेहतर प्रबंधन के अभाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाते। अनुशासन और समयपालन भी निजी विद्यालयों की प्रमुख विशेषताएं मानी जाती हैं। समय पर उपस्थिति, नियमित गृहकार्य, निर्धारित आचरण और शिक्षकों की कार्यप्रणाली पर विद्यालय प्रबंधन की सतत निगरानी रहती है। कमजोर प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों पर तुरंत कार्रवाई की जाती है। सरकारी विद्यालयों में भी अनेक स्थानों पर अनुशासन का अच्छा वातावरण है, किंतु व्यवस्था की कठोरता अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है। यही कारण है कि कई अभिभावक निजी विद्यालयों को अधिक प्रभावी मानते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा भी निजी विद्यालयों के बढ़ते आकर्षण का महत्वपूर्ण कारण है। समाज में यह धारणा बन गई है कि महंगा विद्यालय ही बेहतर शिक्षा देता है। अनेक परिवार आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद ऊंची फीस भरते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि प्रतिष्ठित निजी विद्यालय में पढ़ने से बच्चे के साथ-साथ परिवार की सामाजिक छवि भी मजबूत होगी। डिजिटल तकनीक ने भी निजी विद्यालयों की लोकप्रियता बढ़ाई है। मोबाइल ऐप, आनलाइन उपस्थिति, होमवर्क, परीक्षा परिणाम, फीस की जानकारी, स्कूल बस की लाइव लोकेशन, स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर और कंप्यूटर लैब जैसी सुविधाएं अभिभावकों को आधुनिक शिक्षा का अनुभव कराती हैं।

समय की संवेदनाओं का दस्तावेज : परिपाटी

विवेक रंजन श्रीवास्तव

हिन्दी कहानी का वर्तमान परिदृश्य अनेक दिशाओं में विकसित हो रहा है। एक ओर प्रयोगधर्मी लेखन है तो दूसरी ओर जीवन के साधारण अनुभवों से असाधारण अर्थ खोजने वाली पारंपरिक कहानियाँ भी लिखी जा रही हैं। जनक कुमारी सिंह बघेल का कहानी-संग्रह परिपाटी इसी दूसरी धारा का प्रतिनिधित्व करता है।

संग्रह की इक्कीस कहानियाँ किसी बड़े वैचारिक विमर्श का शोर नहीं मचातीं, बल्कि परिवार और समाज के भीतर घटित होने वाले उन सूक्ष्म परिवर्तनों को दर्ज करती हैं, जिनसे आज का मनुष्य प्रतिदिन गुजर रहा है। यही कारण है कि इन कहानियों का संसार पाठक को अपरिचित नहीं लगता। वह स्वयं को इन कहानियों के पात्रों और परिस्थितियों के बीच खड़ा पाता है।

संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विषय विविधता है। यहाँ बुजुर्गों की उपेक्षा है, रिश्तों में आती औपचारिकता है, स्त्री की मौन पीड़ा है, बच्चों का मनोविज्ञान है, सामाजिक रूढ़ियों से टकराती मानवीय संवेदना है और बदलती जीवन-शैली से उत्पन्न अकेलापन भी नजर आता है। लेखिका इन विषयों को किसी आंदोलनकारी मुद्रा में नहीं, बल्कि जीवन के स्वाभाविक प्रसंगों के माध्यम से प्रस्तुत करती हैं। उनकी दृष्टि आरोपित नहीं करती वह अनुभवजन्य लेखन है। इसलिए कथाएँ सहज विश्वसनीय बन पड़ी हैं।

संग्रह की शीर्षक कहानी परिपाटी की वैचारिक धुरी कही जा सकती है। कहानी उस त्रासद सामाजिक सत्य को उद्घाटित करती है कि परिवारों में बुजुर्गों के प्रति अपनाई गई उपेक्षा धीरे धीरे एक परंपरा बनती जा रही है। आज जो व्यवहार हम अपनी पूर्व पीढ़ी के साथ करते हैं, वही कल अगली पीढ़ी हमारे साथ दोहराती है। कहानी का शीर्षक इसी विरासत में मिलती अमानवीयता की ओर संकेत करता है। बिना किसी भाषण या नाटकीयता के यह कहानी पाठक के भीतर यह गहरा नैतिक प्रश्न उठाती है।

अनकहे जज्बात संग्रह की भिन्न और स्मरणीय कहानियों में है। इसमें पुस्तकों को मानवीय संवेदनाओं का रूप देकर लेखिका ने अत्यंत मौलिक शिल्प अपनाया है। अलमारी में सजी पुस्तकें अपने पाठकों की प्रतीक्षा करती, चेतन पात्र बन जाती हैं। यह कहानी केवल पुस्तकों के उपेक्षित होने की नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक स्मृति के क्षीण होते जाने की कथा है जो किसी भी समाज की आत्मा होती है। पुस्तक-प्रेमियों के लिए यह कहानी विशेष आत्मीयता और कसक उत्पन्न करती है। प्रयोग नवाचारी है।

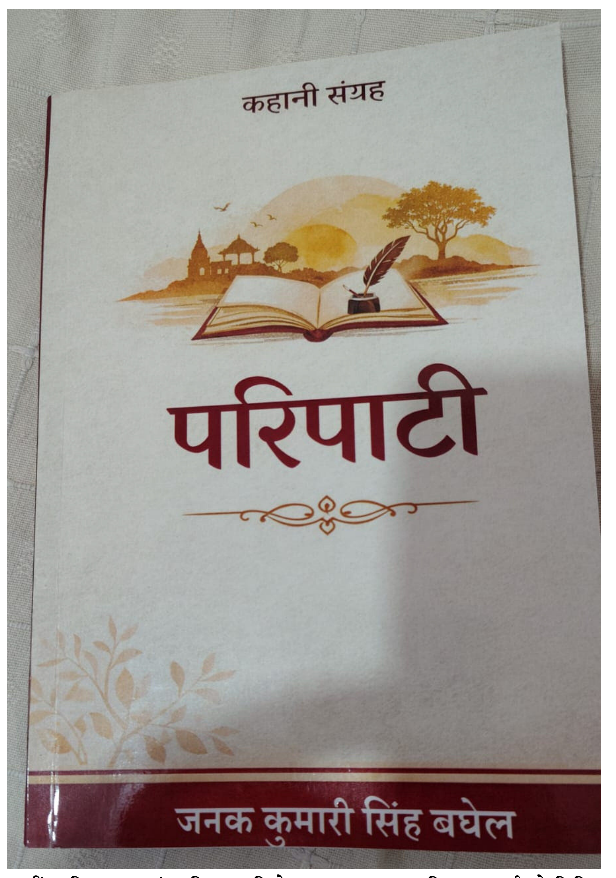

अन्य कहानियाँ भी अपने-अपने स्तर पर सामाजिक यथार्थ को विविध आयाम देती हैं। कहीं पुनर्विवाह के प्रश्न के माध्यम से जीवन को दूसरा अवसर देने की बात है, कहीं आत्मग्लानि से उपजे प्रायश्चित का भाव है। कुछ कहानियाँ यह विश्वास जगाती हैं कि मनुष्य के भीतर करुणा समाप्त नहीं हुई है, तो कुछ कथानक आधुनिक जीवन की विडंबनाओं को उजागर करते हैं ,जहाँ सुविधाएँ बढ़ी हैं, पर आत्मीयता सिकुड़ती चली गई है। रिश्तों की ऊष्मा, विश्वास, संवाद और नैतिक उत्तरदायित्व इन कहानियों में बार-बार लौटने वाले मूल्य हैं।

भाषा की दृष्टि से लेखिका का लेखन सरल, संप्रेषणीय और प्रवाहपूर्ण है। वे अनावश्यक अलंकरण या भाषिक चमत्कार से बचती हैं। उनकी कलम में सहज भाव संप्रेषण की कला है, वे सामर्थ्यवान लेखिका हैं।

संवाद पात्रों के स्वभाव के अनुरूप हैं और कथानक बिना कृत्रिमता के आगे बढ़ते हैं। यह सादगी ही उनकी शक्ति है, क्योंकि पाठक का ध्यान भाषा की सजावट पर नहीं, कथा के भाव पर केंद्रित रहता है।

कहीं-कहीं भावुकता का पुट अवश्य मिलता है, किंतु वह कथ्य की संवेदनात्मक प्रकृति से स्वाभाविक रूप से जुड़ा हुआ है।

आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो संग्रह की कुछ कहानियाँ अपने अंत को और अधिक खुला तथा बहुअर्थी बन सकती थीं। कई स्थानों पर आदर्शवादी समाधान यथार्थ की जटिलताओं को अपेक्षाकृत सरल बना देते हैं। फिर भी यह कमी संग्रह की मूल संवेदनात्मक शक्ति को कम नहीं करती। इन कहानियों का उद्देश्य पाठक को चमत्कृत करना नहीं, बल्कि उसके भीतर सोई हुई मानवीय संवेदना को स्पर्श करना है, और इस उद्देश्य में वे पर्याप्त सफल हैं।

आज जब साहित्य का बड़ा हिस्सा बाजार, उपभोक्तावाद और तात्कालिक सनसनी के दबावों से जूझ रहा है, किसी न किसी वाद का लबादा ओढ़कर प्रस्तुत हो रहा है।परिपाटी जैसे कहानी संग्रह यह विश्वास दिलाते हैं कि मनुष्य और उसके संबंध अभी भी हिन्दी कहानी के केंद्र में हैं। यह संग्रह पाठक को अपने परिवार, अपने व्यवहार और अपने सामाजिक दायित्वों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करता है। इसकी यही विशेषता इसे केवल कहानी-संग्रह नहीं, बल्कि समकालीन सामाजिक जीवन की संवेदनात्मक दस्तावेज के रूप में प्रतिष्ठित करती है।

परिपाटी ऐसी पुस्तक है जिसे केवल पढ़ा नहीं जाता, बल्कि पढ़ने के बाद देर तक महसूस किया जाता है। रिश्तों की ऊष्मा, मानवीय करुणा और नैतिक चेतना में विश्वास रखने वाले प्रत्येक पाठक के लिए संग्रह की लगभग हर कहानी एक सार्थक और पठनीय कृति है।

पुस्तक : परिपाटी (कहानियां)
लेखिका : जनक कुमारी सिंह बघेल
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन, जयपुर
समाहित कहानियाँ : 21
(पारिवारिक संबंध, सामाजिक सरोकार, मानवीय संवेदनाएँ और जीवन-मूल्य की कहानियों का संग्रह)

भारतीय मजदूर संघ : श्रमिक चेतना का राष्ट्रवादी अध्याय

विपिन बिहारी पाठक

श्रम का राष्ट्रीयकरण करें, उद्योग का श्रमिकीकरण करें और राष्ट्र का औद्योगीकरण करें।-दत्तोपंत ठेंगड़ी यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी के श्रम-दर्शन का सार है। उन्होंने भारतीय श्रमिक आंदोलन को वर्ग संघर्ष की संकीर्ण सोच से निकालकर राष्ट्रनिर्माण की व्यापक अवधारणा से जोड़ा। यही कारण है कि आज भी भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) केवल एक ट्रेड यूनियन नहीं, बल्कि राष्ट्रहित, श्रमिकहित और उद्योगहित के संतुलन का एक विशिष्ट मॉडल माना जाता है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत वैचारिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा था। विश्व का बड़ा हिस्सा साम्यवादी विचारधारा से प्रभावित था और भारतीय श्रमिक आंदोलन पर भी वामपंथी संगठनों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता था। उस समय श्रमिक आंदोलनों में वर्ग संघर्ष की अवधारणा प्रमुख थी। दत्तोपंत ठेंगड़ी ने इस सोच को भारतीय संस्कृति के अनुरूप नहीं माना। उनका विश्वास था कि श्रमिक, उद्योग और समाज एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक ही राष्ट्रीय परिवार के पूरक अंग हैं। इसलिए संघर्ष नहीं, सहयोग ही स्थायी विकास का मार्ग हो सकता है।

इसी विचार को व्यवहार में उतारने के लिए 23 जुलाई 1955 को, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती के दिन, भोपाल में भारतीय मजदूर संघ की स्थापना हुई। इसकी शुरूआत अत्यंत साधारण परिस्थितियों में हुई। न कोई बड़ा संगठन, न सदस्यता, न कार्यालय और न ही आर्थिक संसाधन। केवल 35 कार्यकताओं के साथ प्रारंभ हुआ यह प्रयास आज देश के सबसे बड़े श्रमिक संगठनों में गिना जाता है।

दत्तोपंत ठेंगड़ी का जन्म 10 नवंबर 1920 को महाराष्ट्र के वर्धा जिले के अरवी में हुआ। छात्र जीवन से ही उनमें राष्ट्र और समाज के प्रति गहरी संवेदनशीलता थी। आगे चलकर वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बने और संगठन निर्माण को अपना जीवन समर्पित कर दिया। भारतीय मजदूर संघ के अतिरिक्त उन्होंने भारतीय किसान संघ, स्वदेशी जागरण मंच और सामाजिक समरसता मंच जैसे अनेक संगठनों की स्थापना की। उल्लेखनीय है कि उन्हें पद्मभूषण सम्मान की घोषणा भी हुई, किंतु उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया।

ठेंगड़ी जी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने श्रमिक आंदोलन को राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा से अलग रखने का प्रयास किया। उनका मानना था कि ट्रेड यूनियन का मूल उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना है, न कि किसी राजनीतिक दल का विस्तार बनना। यही कारण है कि भारतीय मजदूर संघ ने स्वयं को दलगत राजनीति से अलग रखते हुए श्रमिकों के संगठन के रूप में विकसित किया।

बीएमएस की वैचारिक पृष्ठभूमि भारतीय संस्कृति और एकात्म मानववाद पर आधारित है। यह मानती है कि जीवन में विविधता अवश्य है, किंतु उसके मूल में एकता निहित है। इसलिए श्रमिक और उद्योगपति परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास यात्रा के सहभागी हैं। यदि दोनों के बीच विश्वास और सहयोग का वातावरण बने तो उत्पादन भी बढ़ेगा और श्रमिकों का सम्मान भी सुरक्षित रहेगा।

इसी सोच से प्रेरित होकर दत्तोपंत ठेंगड़ी ने अधिकतम उत्पादन और समान वितरण का सिद्धांत दिया। उन्होंने पूंजीवाद की केवल उत्पादन-केंद्रित सोच और समाजवाद की केवल वितरण-केंद्रित सोच के स्थान पर संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उनका मानना था कि अधिक उत्पादन राष्ट्र का कर्तव्य है और उत्पादन के लाभ का न्यायपूर्ण वितरण श्रमिक का अधिकार। भारतीय मजदूर संघ का प्रसिद्ध आदर्श वाक्य हम राष्ट्रहित में काम करेंगे और पूर्ण वेतन की मांग करेंगे आज भी श्रम और राष्ट्र के बीच संतुलन का संदेश देता है। यह नारा बताता है कि श्रमिक का संघर्ष केवल अधिकारों के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समृद्धि के लिए भी होना चाहिए।

दत्तोपंत ठेंगड़ी ने श्रमिक आंदोलन में राष्ट्रवादी नारों की भी नई परंपरा विकसित की। उन्होंने उस दौर के अंतरराष्ट्रीय क्रांतिकारी नारों के स्थान पर भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप विचार प्रस्तुत किए। श्रम का राष्ट्रीयकरण, उद्योग का श्रमिकीकरण और राष्ट्र का औद्योगीकरण का उनका संदेश श्रमिक को केवल मजदूर नहीं, बल्कि राष्ट्रनिमार्ता के रूप में स्थापित करता है। बीएमएस ने औद्योगिक परिवार की अवधारणा भी दी, जिसमें श्रमिक, प्रबंधन और समाज तीनों को विकास की साझी इकाई माना गया।

ठेंगड़ी जी ने स्व-रोजगार और पारंपरिक कारीगरों के महत्व को भी समय रहते पहचान लिया था। उन्होंने सुनार, लोहार, कुम्हार, दर्जी, नाई, धोबी जैसे पारंपरिक व्यवसायों को विश्वकर्मा क्षेत्र की संज्ञा दी और इसे जनता का क्षेत्र बताया। यह दृष्टि आज आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और कौशल विकास जैसे अभियानों के संदर्भ में और भी प्रासंगिक प्रतीत होती है। दत्तोपंत ठेंगड़ी केवल संगठनकर्ता ही नहीं, बल्कि गंभीर चिंतक और विपुल लेखक भी थे। उन्होंने हिंदी, अंग्रेजी और मराठी में अनेक पुस्तकों के माध्यम से श्रम, अर्थनीति, स्वदेशी और राष्ट्रवाद पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उनका मानना था कि आधुनिकीकरण आवश्यक है, परंतु उसका अर्थ पश्चिमीकरण नहीं हो सकता। विकास का भारतीय मॉडल भारतीय समाज, संस्कृति और परिस्थितियों के अनुरूप ही होना चाहिए।

आज भारतीय मजदूर संघ देशभर में हजारों संबद्ध यूनियनों और व्यापक सदस्य आधार के साथ श्रमिक हितों की आवाज बन चुका है। समय-समय पर उसने विभिन्न सरकारों की उन नीतियों का भी विरोध किया जिन्हें उसने श्रमिक हितों के प्रतिकूल माना। इससे स्पष्ट होता है कि उसका मूल आग्रह श्रमिक हित और राष्ट्रीय हित के संतुलन पर रहा है।

दत्तोपंत ठेंगड़ी का जीवन हमें यह सिखाता है कि राष्ट्रनिर्माण केवल सरकारों का कार्य नहीं, बल्कि श्रमिक, किसान, उद्योग, समाज और संस्कृति-सभी के समन्वित प्रयास का परिणाम है। उन्होंने भारतीय श्रमिक आंदोलन को वैचारिक दिशा दी और यह विश्वास जगाया कि श्रम केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च माध्यम भी हो सकता है। आज, जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर है, तब ठेंगड़ी जी का श्रम-दर्शन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक और प्रेरणास्पद दिखाई देता है। (लेखक, भारतीय मजदूर संघ, उत्तर प्रदेश के मंत्री हैं।)

आजादी से पहले भी बद्रीनाथ धाम की महिमा को धूमिल करने के होते रहे हैं कुत्सित प्रयास

प्रकाश कपरुवाण

सनातन धर्म के सर्व श्रेष्ठ धाम बद्रीनाथ की महिमा को धूमिल करने के प्रयास आजादी से पूर्व भी होते रहे हैं, तब की हुकूमतों ने भी बद्रीनाथ धाम की गरिमा को बचाने के लिए अनेक प्रयास किए और धाम की गरिमा और पारदर्शी व्यवस्था बनाने के लिए श्री बद्रीनाथ मंदिर अधिनियम का विशेष राजपत्र जारी किया जिसके तहत आज भी व्यवस्थाओं का संचालन हो रहा है।

श्री बद्रीनाथ धाम सनातन हिन्दू तीर्थ के सबसे पवित्र स्थलों मे से भी श्रेष्ठ है, वर्ष 1899की प्रस्तावना के अनुसार बद्रीनाथ मंदिर की प्रबंधन व्यवस्था रावल के हाथ मे थी और पर्यवेक्षी शक्तियां टिहरी दरवार मे निहित थी, तब के दौर मे भी मंदिर की स्थिति असंतोषजनक और तीर्थ यात्रियों की सुविधाएँ भी उपेक्षित होती रही, प्रबंधन व्यवस्था संभाल रहे रावल जब स्वेच्छाचारी होने लगे तो वर्ष 1928मे जनआंदोलन की शुरूवात हुई और हिन्दू धार्मिक एवं धार्मिक बंदोबस्ती समिति ने बद्रीनाथ धाम के गंभीर विषय को तत्कालीन सयुंक्त प्रान्त सरकार के सम्मुख रखा।

आजाद भारत से पूर्व की सरकार ने भी बद्रीनाथ धाम के महत्व को समझा, अध्ययन व गंभीर चिंतन किया और वर्ष 1939 मे श्री बद्रीनाथ मंदिर अधिनियम का विशेष राजपत्र जारी किया, वर्ष 1948 मे केदारनाथ मंदिर व सहवर्ती मंदिरों को भी सम्मलित करते हुए श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर अधिनियम अस्तित्व मे आया।

आज जिस प्रकार के भ्ष्टार्चार, चढ़ावा-दान चोरी जैसी घटनाएं सामने आ रही है उससे तो यही लग रहा है कि 1939से पहले रावल शाही के दौरान भी इसी प्रकार की घृणित घटनाएं होती थी और तब की सरकार ने रावल के अधिकार को सिर्फ पूजा तक नियंत्रित कर दिया था, परन्तु आज जिस प्रकार की घटनाएं हुई है यह बद्रीनाथ धाम की गरिमा के लिए वाकई बेहद चिंताजनक है। जब आजादी से पूर्व एवं उत्तर प्रदेश मे रहते हुए भी सनातन धर्म के सर्व श्रेष्ठ धाम की गरिमा धूमिल व कलंकित होने से बचाया जाता रहा तो आखिर क्या कारण है कि उत्तराखंड राज्य निर्माण के बाद उत्तराखंड की आर्थिकी की सबसे मजबूत रीढ़ चारधामों मे सर्वश्रेष्ठ धाम बद्रीनाथ की महिमा को तार-तार करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है।

कारण जो भी हो किन्तु प्रमुख कारणों मे एक यह भी है कि उत्तराखंड राज्य गठन के बाद बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्यालय जोशीमठ का अस्तित्व धीरे धीरे समाप्त करते हुए पहले देहरादून और अब ऋषिकेश से व्यवस्थाएँ संचालित होने लगी है, जबकि मंदिर समिति के प्रस्ताव दिनांक 05मार्च 1941 के अनुसार मंदिर समिति का मुख्यालय जोशीमठ मे ही स्थापित किया गया था और वह प्रस्ताव तब की सरकार द्वारा अनुमोदित है, प्रस्ताव तो आज भी अस्तित्व मे है परन्तु मुख्यालय अस्तित्व ने नहीं है। इस प्रकार के निर्णय से ऋषिकेश-देहरादून के कार्यालयों की भव्यता तो बनी किन्तु यात्रा मार्ग पर यात्री विश्राम गृहों की दुर्दशा और धामों को कलंकित करने वाली घटनाओं ने देवभूमि उत्तराखंड को ही शर्मसार कर दिया है।

हालांकि मुख्यमंत्री ने बद्रीनाथ धाम की घटना को बेहद गंभीरता से लेते हुए भगवान बद्रीविशाल के नाम से चढ़ने वाले दान-चढ़ावे व अन्य सामग्रियों की हेरा फेरी व चोरी को गौहत्या जैसा पाप बताया है, और एसआईटी इसी के अनुरूप कार्य भी कर रही है। परन्तु प्रश्न यह है कि जिस भगवान बद्रीविशाल के दर्शन मात्र के लिए प्रति वर्ष लाखों श्रद्धालु पहुँच रहे हैं उनकी आस्था पर गहरी चोट पहुँचाने की स्थिति आखिर क्यों सामने आ रही है ?, इस पर गहन चिंतन व मंथन किए जाने की जरूरत है ताकि भगवान बद्रीविशाल के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था को अक्षुण रखा जा सके। अब समय है किसी निर्दोष के उत्पीड़न से बचते हुए सनातन आस्था के सर्वोच्च केन्द्र बद्रीनाथ की गरिमा को चोट पहुँचाने व विवादों मे घसीटने की साजिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही हो ताकि भविष्य मे वर्तमान मे घटित घटनाओं को अंजाम देने का दुस्साहस कोई भी न कर सके।

बलोचिस्तान में स्वघोषित आजादी

प्रमोद भार्गव

रिपब्लिक ऑफ बलोचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं। इसमें बलोच नेता मीर यार बलोच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलोचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलोच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे है। हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाकिस्तान सेना ने बलोचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजराइली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। पाक सेना ने लड़ाकों के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं।

विद्रोही बलोचों ने करीब 85 प्रतिशत बलोचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलोच कार्यकताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चचाएं शुरू हो गई हैं।

यही वह क्षेत्र है, जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यस्था की रीढ़ हैं। बलोचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलोचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलोच भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलोचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं।

प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलोचिस्तान के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं। बलोचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलोच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। यदि बलोच स्वतंत्र देश बन जाता है तो भारत-पाक युद्ध के बीच 1971 की तरह एक युगांतरकारी घटना देखने को मिलेगी, जिसमें बलोचों द्वारा मनाए जाने वाले उत्सव में भारत भी भागीदार हो सकता है। बलोचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है। उनका कहना है कि बलोचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है। यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं। सेना के जवान अपने ही देश में बंकरों में छिपे हैं।

बलोचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर है। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है। यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था। इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलोचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद किया था। कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के बाद बलोच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी। नतीजतन बलोचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था। किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने

नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली। इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलोचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलोच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया। इसके बाद फिनिक्स पक्षी की तरह बीएलए फिर उठ खड़ा हुआ। जगह-जगह हमले शुरू हो गए। साल 2020 में एकाएक बीएलए की ताकत बढ़ गई और बलोचिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठानों तथा सुरक्षाबलों पर हमलों की संख्या बढ़ती चली गई।

बीएलए बलोचिस्तान में चीन के प्रभाव को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि चीन बलोचिस्तान की प्राकृतिक संपदा को हड़पने का काम कर रहा है। इसी नजरिए से ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ एक बड़ा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी बना रहा है। दरअसल भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय बलोचिस्तान में बलोचों की इच्छा के बिना बंदूक की जोर पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था।

जबकि वे स्वयं को एक स्वतंत्र देश के रूप में देखना चाहते थे। अतैव पाक की स्वतंत्रता के समय से ही बलोचों का संघर्ष पाक सरकार और सेना से निरंतर बना हुआ है। बीएलए जब साल 2000 में वजूद में आया था तब इसके लड़ाकों की संख्या 6000 से भी ज्यादा थी, जिसमें करीब 150 आत्मघाती दस्ते शामिल थे।

सरदार अकबर खान बुगती एक समय बलोचिस्तान के सर्वमान्य नेता रहे हैं। इसीलिए वे बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री भी रहे थे। 26 अगस्त 2006 को पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने उनकी हत्या कर दी थी। तभी से यह संगठन पाक सेना से लोहा ले रहा है। वर्तमान में बलोच अलगाववादी और तालिबान के बीच निरंतर निकटता बढ़ रही है। वैसे भी अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के काबिज होने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं। पाक सरकार ने भी स्वीकार किया है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ही बलोच लड़ाकों को प्रशिक्षित कर रहा है। बलोचिस्तान प्रांत में अब महिलाओं ने भी बीएलए के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बलूच नागरिकों के दमन चक्र के विरुद्ध मोर्चा खोल लिया है। इस सच्चाई को पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी स्वीकारा है।

पाकिस्तान की आजादी के साथ बलोचिस्तान का मुद्दा जुड़ा है। पाक की कुल भूमि का 43.6 फीसदी हिस्सा केवल बलोचिस्तान का है। लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलोच हैं, पाक की कुल आबादी में इनकी छह प्रतिशत की भागीदारी है।

इसका कुल क्षेत्रफल 3,47,190 वर्ग किमी है। यहां हिंदू, सिख और ईसाई भी रहते हैं। इनमें आपस में खूब भाईचारा है। भगवान शिव की पत्नी सती का हिंगलाज मंदिर इसी बलोच क्षेत्र में आता है। अनेक मुसलमान भी देवी सती की पूजा-अर्चना करते हैं, क्योंकि ये धर्मांतरित है। यहां से कभी सांप्रदायिक दंगों की खबरें नहीं आती हैं।

1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलोच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए। इसे बलोचों ने अपने क्षेत्र पर कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया। इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आ गए।

इनमें सबसे प्रमुख बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी है। पीओके और बलोचिस्तान पाक के लिए बहिष्कृत क्षेत्र हैं। पीओके की जमीन का इस्तेमाल वह, जहां भारत के खिलाफ शिविर लगाकर गरीब व लाचार मुस्लिम किशोरों को आतंकवादी बनाने का प्रशिक्षण देता रहा है, वहीं बलोचिस्तान की भूमि से खनिज व तेल का दोहन कर अपनी आर्थिक स्थिति बहाल किए हुए है। यहां सोना, तांबा, कोयला और प्राकृतिक गैसों के बड़े भंडार है, लेकिन इनसे कमाई का बड़ा हिस्सा पाक सरकार, सेना और चीनी कंपनियां हथिया लेती हैं। इस कारण लोगों का गुस्सा उबाल पर है।

बलोचिस्तान की कलात रियासत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता की घोषणा करने के बाद 27 मार्च 1948 को पाकिस्तान में शामिल हो गई थी। लेकिन बलोचिस्तान ने पाक में विलय को कभी स्वीकार नहीं किया। लिहाजा यहां अलगाव की आग निरंतर बनी रही है। नतीजतन 2001 में यहां 50 हजार लोगों की हत्या पाक सेना ने कर दी थी। इसके बाद 2006 में अत्याचार के विरुद्ध आवाज बुलंद करने वाले 20 हजार सामाजिक कार्यकताओं को अगवा कर लिया गया था, जिनका आज तक पता नहीं है। 2015 में 157 लोगों के अंग-भंग किए गए थे। फिलहाल पुलिस ने जाने-माने एक्टिविस्ट बाबा जान को भी हिरासत में लिया हुआ है।

पिछले 20 साल से जारी दमन की इस सूची का खुलासा एक अमेरिकी संस्था ने किया है। वाशिंगटन में कार्यरत संस्था गिलगित-बलोचिस्तान नेशनल कांग्रेस के सेंग सिरिंग ने मोदी द्वारा उठाए, इस सवाल का समर्थन किया है कि ह्यपाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और बलोचिस्तान में लोगों पर होने वाले जुल्म एवं अत्याचार के बाबत पाक को दुनिया के समक्ष जवाब देना होगा ?

पाक तो जवाब देने वाला नहीं है, लेकिन भारत की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह बलोचिस्तान की स्वतंत्रता में भागीदार बने?

शब्दवाणी समाचार

यूपी टी-20 लीग के चौथे सीजन का शंखनाद, उद्घाटन समारोह के टिकट लॉन्च

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में क्रिकेट के सबसे बड़े उत्सव यूपी टी-20 लीग के चौथे सीजन का भव्य आगाज सोमवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने लीग के उद्घाटन समारोह के टिकट लॉन्च कर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया। 14 अगस्त को होने वाला उद्घाटन समारोह मनोरंजन और खेल का अनूठा संगम होगा। समारोह में विश्वविख्यात सितार वादक ऋषभ रिखीराम शर्मा अपनी सुरमयी प्रस्तुति देंगे, जबकि लोकप्रिय गायिका जैस्मीन सैंडलास अपनी दमदार परफॉर्मेंस से दर्शकों को झूमने पर मजबूर करेंगी। इसके साथ ही अत्याधुनिक ड्रोन शो, रंग-बिरंगी आतिशबाजी और शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां समारोह को ऐतिहासिक बना देंगी। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध खेल एंकर जतिन सप्रू करेंगे। आयोजकों ने उद्घाटन समारोह के लिए 4,000 टिकट विशेष रियायती दरों पर जारी किए हैं। अपर ब्लॉक की टिकट 349 रुपये तथा लोअर विंग की टिकट 499 रुपये निर्धारित की गई है। टिकट ई-डिस्ट्रिक्ट' ऐप पर भी उपलब्ध रहेंगे और इनका वितरण *पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया जाएगा।

मुख्य अतिथि अवनीश अवस्थी *ने कहा कि उत्तर प्रदेश खेलों, विशेषकर क्रिकेट के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम जल्द प्रदेश को समर्पित होगा, जबकि गोरखपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास पहले ही किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस बार लीग में छह टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिससे प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। उन्होंने प्रदेश सरकार की खेल विकास के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए बताया कि लीग के समापन के बाद कानपुर के ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम का नवीनीकरण किया जाएगा। इसके अलावा वाराणसी का आने वाले समय में उत्तर प्रदेश आधुनिक खेल अधोसंरचना का प्रमुख केंद्र बनेगा। अवनीश अवस्थी ने महिला क्रिकेट लीग शुरू करने का भी सुझाव देते हुए कहा कि यूपी टी-20 लीग की तर्ज पर महिला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना चाहिए, जिसमें शुरूआती चरण में कम से कम चार टीमें शामिल हों। उन्होंने कानपुर की टीम को शामिल करने का भी सुझाव दिया और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस पर **यूपी टी-20 लीग गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस दिशा में गंभीरता से विचार किया जाएगा। अपन संबोधन में अवनीश अवस्थी ने पैरालंपिक कांस्य पदक विजेता एवं विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक विजेता पैरा तीरंदाज शीतल देवी के संघर्ष और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपने अदम्य साहस और प्रतिभा से पूरे देश को गौरवान्वित किया है तथा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनी हैं। स्वागत भाषण में डॉ. संजय कपूर ने बताया कि पहली बार यूपी टी-20 लीग का आयोजन दो शहरों में किया जा रहा है। पहला चरण 14 से 26 अगस्त तक लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां उद्घाटन समारोह सहित 22 मुकाबले होंगे। इसके बाद 28 अगस्त से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में दूसरा चरण आयोजित होगा, जहां 12 मैच खेले जाएंगे। लीग का फाइनल मुकाबला 6 सितंबर को कानपुर में भव्य समापन समारोह के साथ आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समारोह में एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष सचिन आनंद शुक्ला, इकाना स्टेडियम के सीएमडी उदय सिन्हा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकित चटर्जी, मीडिया मैनेजर मोहम्मद फहीम, गवर्निंग काउंसिल के सदस्य संजीव कुमार सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। यूपी टी-20 लीग का चौथा संस्करण इस बार केवल क्रिकेट का रोमांच ही नहीं, बल्कि खेल, संस्कृति और मनोरंजन का भव्य उत्सव बनकर उत्तर प्रदेश के खेल इतिहास में नई पहचान बनाने को तैयार है।

जीरो पॉवर्टी अभियान को मिलेगी नई रफ्तार, पात्र परिवारों को अंत्योदय कार्ड से जोड़ने के निर्देशः मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में चल रहे जीरो पॉवर्टी अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिया है कि सभी पात्र परिवारों का अंत्योदय कार्ड बनाया जाए और उन्हें आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री आवास सहित सभी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से चरणबद्ध तरीके से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि राज्य की किसी भी पात्र गरीब परिवार को सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

सोमवार को स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की छठी बैठक में मुख्यमंत्री ने आधारभूत संरचना, औद्योगिक विकास, निवेश, जनकल्याण और सेवा वितरण से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने जीरो पॉवर्टी अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विशेष टीम गठित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में बताया गया कि जीरो पॉवर्टी अभियान के तहत अब तक 12.50 लाख परिवारों का सर्वेक्षण किया जा चुका है। इनमें लगभग 9 लाख परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना और 5 लाख परिवार मुख्यमंत्री आवास योजना के पात्र पाए गए हैं। वहीं 6.67 लाख परिवारों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, जिनमें से करीब 5 लाख लोगों का श्रम विभाग में पंजीकरण हो चुका है। इसके अलावा 10.60 लाख परिवारों के एक सदस्य को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की विभिन्न एक्सप्रेसवे परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित जिलाधिकारियों को 31 जुलाई तक भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों में किसानों और भूमिस्वामियों से सीधे संवाद स्थापित किया जाए।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि

फरुर्खाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 88.45 प्रतिशत, झांसी लिंक के लिए 72.71 प्रतिशत, आगरा-लखनऊ-पूर्वांचल लिंक के लिए 63 प्रतिशत तथा जेवर लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 59.35 प्रतिशत भूमि उपलब्ध कराई जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि लखनऊ नाइट सफारी परियोजना को उच्चतम न्यायालय से अनुमति मिल चुकी है। उन्होंने सभी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर परियोजना को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही ग्रेटर नोएडा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने परियोजना की सभी औपचारिकताएं निर्धारित समय में पूरी करने को कहा। बताया गया कि 323 हेक्टेयर में से 301 हेक्टेयर भूमि प्राप्त हो चुकी है और लॉजिस्टिक पार्क के लिए पांच कंपनियों ने पंजीकरण कराया है।

मुख्यमंत्री ने सभी सरकारी एवं निजी मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों और होटलों में फायर एनओसी का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही लखनऊ में सीवर लाइन और हाईटेंशन बिजली लाइनों से जुड़े जोखिम वाले स्थलों का तत्काल समाधान करने को कहा। उन्होंने प्रदेश के सभी विद्युत फीडरों का प्रदर्शन, राजस्व, हानि और ओवरलोड की स्थिति का विश्लेषण कर सुधारात्मक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना, पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना, सांसद एवं विधायक निधि से संचालित विकास कार्यों तथा बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण युवाओं को डिजिटल संसाधनों से जोड़ना और किसानों को आधुनिक सिंचाई तकनीकों से लाभान्वित करना प्रदेश के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। साथ ही डिस्ट्रिक्ट माइनिंग फंड और जनप्रतिनिधियों की विकास योजनाओं का उपयोग पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

गर्भावस्था और प्रसव के बाद महिलाओं के लिए फायदेमंद है व्यायाम

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। गर्भावस्था और प्रसव के बाद का समय महिलाओं के जीवन का एक महत्वपूर्ण दौर होता है। इस दौरान जहां एक ओर मां बनने की खुशी होती है, वहीं दूसरी ओर शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव, थकान, पर्याप्त नींद न मिलना और नवजात की देखभाल की जिम्मेदारियों के कारण कई महिलाओं को तनाव, चिंता और अवसाद जैसी मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। एक नए अध्ययन में कहा गया है कि इस दौरान नियमित शारीरिक गतिविधि और हल्का व्यायाम महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मददगार हो सकता है।

यह अध्ययन दुनिया भर में प्रकाशित कई पूर्व अध्ययनों की समीक्षा पर आधारित है। शोधकर्ताओं ने वर्ष 2014 से अप्रैल 2026 तक प्रकाशित अध्ययनों का विश्लेषण किया। इसके लिए उन्होंने पबमेड, एम्बेस, वेब ऑफ साइंस, कोक्रेन लाइब्रेरी, साइकोइन्फो समेत कई अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा डेटाबेस से जानकारी जुटाई

'फिजिकल एक्टिविटी एंड पेरिनेटल डिप्रेशन एंड एंग्जायटी: अ ग्लोबल अम्ब्रेला रिव्यू' शीर्षक से प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि गर्भावस्था और प्रसव के आसपास के समय में शारीरिक रूप से सक्रिय रहने वाली महिलाओं में अवसाद और चिंता के लक्षण अपेक्षाकृत कम देखे गए। शोधकर्ताओं के अनुसार, नियमित शारीरिक गतिविधि मानसिक तनाव कम करने का एक सरल और प्रभावी उपाय हो सकती है।

यह अध्ययन दुनिया भर में प्रकाशित कई पूर्व अध्ययनों की समीक्षा पर आधारित है। शोधकर्ताओं ने वर्ष 2014 से अप्रैल 2026 तक प्रकाशित अध्ययनों का विश्लेषण किया। इसके लिए उन्होंने पबमेड, एम्बेस, वेब ऑफ साइंस, कोक्रेन लाइब्रेरी, साइकोइन्फो समेत कई अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा डेटाबेस से जानकारी जुटाई। कुल 4,109 अध्ययनों की समीक्षा के बाद 20 प्रमुख अध्ययनों को विश्लेषण में शामिल किया गया, जिनमें गर्भावस्था और प्रसव के दौरान या बाद में शारीरिक गतिविधि का अवसाद और चिंता पर प्रभाव जांचा गया था। अध्ययन में पाया गया कि नियमित रूप से शारीरिक रूप से सक्रिय रहने से महिलाओं में अवसाद के लक्षण कम हो सकते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, उपलब्ध साक्ष्य बताते हैं कि गर्भावस्था और प्रसव के बाद हल्का व्यायाम महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार और सकारात्मक मनोदशा बनाए रखने में सहायक हो सकता है। अध्ययन में योग को भी लाभकारी बताया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, योग तनाव कम करने और मानसिक शांति बनाए रखने में मदद कर सकता है। शोधकर्ताओं ने चिंता के लक्षणों पर भी शारीरिक गतिविधि के प्रभाव का आकलन किया। अध्ययन में संकेत मिले कि नियमित शारीरिक गतिविधि चिंता को कम करने में भी सहायक हो सकती है। हालांकि, इस संबंध में ठोस निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए अभी और शोध की आवश्यकता है।

डिप्रेशन और एंग्जायटी होगी कम

विशेषज्ञों का कहना है कि गर्भावस्था और प्रसव के बाद महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। कई बार महिलाएं अपनी मानसिक परेशानियों को नजरअंदाज कर केवल शारीरिक बदलावों पर ध्यान देती हैं। ऐसे में रोजाना थोड़ी देर टहलना, योग करना या अपनी क्षमता के अनुसार हल्की शारीरिक गतिविधि करना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, दोनों के लिए लाभकारी हो सकता है।

एक तय रूटीन कलाकारों के लिए जरूरी, महिमा मकवाना ने बताई इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चुनौती

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री महिमा मकवाना ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं और अब वह अपनी आने वाली वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच, उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कहा कि अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखाई देती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी होती है।

उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में काम के घंटे तय नहीं होते और कई बार कलाकारों को लगातार व्यस्त रहना पड़ता है। ऐसे में मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए एक रूटीन होना बेहद जरूरी है। आईएएनएस से खास बातचीत में महिमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि एक खास तरह का रूटीन हमेशा जरूरी होता है, ताकि हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहे. अभिनय ऐसा पेशा है, जिसमें कलाकार को हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी पड़ती है। इसमें आपको हर समय शांत मानसिकता में रहना पड़ता है, इसलिए किसी भी तरह की एक तय व्यवस्था बहुत जरूरी है और अब इसे लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है।'

महिमा ने कहा, 'मनोरंजन जगत में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यहां काम के दिन और छुट्टियों का कोई निश्चित नियम नहीं होता। इस क्षेत्र में कलाकारों को कई बार लंबे समय तक काम करना पड़ता है और शूटिंग शेड्यूल लगातार बदलते रहते हैं। ऐसे में अपने निजी जीवन और काम के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती होती है, जिससे काम भी प्रभावित न हो और आपकी मानसिक सेहत भी ठीक रहे।'

काम के घंटों और इंडस्ट्री में बदलाव को लेकर महिमा ने कहा, 'अब इस विषय पर पहले से ज्यादा बातचीत हो रही है। हर कलाकार की स्थिति अलग होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने करियर में कहां हैं। आप अपनी बात किस तरह रख सकते हैं और फिल्म निर्माताओं के साथ किस तरह तालमेल बना सकते हैं। हर किसी के लिए स्थिति अलग होती है।' उन्होंने कहा, 'किसी भी फैसले में सिर्फ अपनी सुविधा को नहीं देखना चाहिए, बल्कि पूरी टीम के नजरिए को भी समझना जरूरी है।

सिर्फ मीठी चीजों में ही नहीं, इन पैक्ड फूड्स में भी छिपी होती है चीनी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। जब भी चीनी (शुगर) की बात होती है, तो सबसे पहले मिठाई, केक, चॉकलेट, आइसक्रीम या कोल्ड ड्रिंक का ख्याल आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चीनी सिर्फ मीठी चीजों में ही नहीं होती? कई ऐसे पैक्ड और रोजमर्रा के खाद्य पदार्थ हैं, जिनका स्वाद मीठा भी नहीं लगता, फिर भी उनमें अच्छी-खासी मात्रा में ऐडेड शुगर होता है। दरअसल, हर चीनी एक जैसी नहीं होती। फलों, दूध और दही जैसी प्राकृतिक चीजों में जो चीनी होती है, उसे नेचुरल शुगर कहा जाता है। यह शरीर के लिए नुकसानदायक नहीं मानी जाती, क्योंकि इन खाद्य पदार्थों में फाइबर, विटामिन, मिनरल और दूसरे जरूरी पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। दूसरी ओर, प्रोसेस्ड या पैक्ड फूड में जो चीनी अलग से मिलाई जाती है, उसे ऐडेड शुगर कहा जाता है। यही चीनी जरूरत से ज्यादा खाने पर मोटापा, डायबिटीज, हृदय रोग और कई दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ा सकती है। चीनी का इस्तेमाल सिर्फ स्वाद बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि कई और कारणों से भी किया जाता है। इससे खाने की बनावट बेहतर होती है, रंग और स्वाद अच्छा बनते हैं और कई बार यह प्रिजर्वेटिव की तरह काम करके खाद्य पदार्थ की शेल्फ लाइफ भी बढ़ा देती है। यही वजह है कि पास्ता सॉस, केचप या सलाद ड्रेसिंग जैसी नमकीन चीजों में भी चीनी मिलाई जाती है।

चीनी हमेशा 'शुगर' नाम से नहीं लिखी होती। कई लोग यही सोचकर धोखा खा जाते हैं कि अगर पैकेट पर 'शुगर' नहीं लिखा है तो उसमें चीनी नहीं होगी। जबकि कंपनियां चीनी के लिए कई अलग-अलग नाम इस्तेमाल करती हैं। जैसे- केन शुगर, कॉर्न सिरप, हाई फ्रक्टोज कॉर्न सिरप, राइस सिरप, मोलासेस, कैरेमल, हनी, अगावे आदि।

खाने में ऐडेड शुगर की मात्रा जानने के लिए सबसे आसान तरीका है न्यूट्रिशन लेबल पढ़ना। आजकल ज्यादातर पैक्ड फूड पर 'टोटल शुगर' और 'ऐडेड शुगर' दोनों की जानकारी दी जाती है। मान लीजिए किसी पैकेट पर लिखा है कि उसमें 20 ग्राम टोटल शुगर है और 15 ग्राम ऐडेड शुगर। इसका मतलब है कि सिर्फ 5 ग्राम चीनी प्राकृतिक रूप से मौजूद है, जबकि बाकी 15 ग्राम अलग से मिलाई गई है। सिर्फ इतना ही नहीं, पैकेट पर दिए गए इंग्रीडिएंट्स भी ध्यान से पढ़ें। अगर सूची की शुरुआत में ही चीनी या उससे जुड़े नाम लिखे हों, तो समझिए उस उत्पाद में चीनी की मात्रा ज्यादा हो सकती है।

चीनी हमेशा 'शुगर' नाम से नहीं लिखी होती। कई लोग यही सोचकर धोखा खा जाते हैं कि अगर पैकेट पर 'शुगर' नहीं लिखा है तो उसमें चीनी नहीं होगी। जबकि कंपनियां चीनी के लिए कई अलग-अलग नाम इस्तेमाल करती हैं। जैसे- केन शुगर, कॉर्न सिरप, हाई फ्रक्टोज कॉर्न सिरप, राइस सिरप, मोलासेस, कैरेमल, हनी, अगावे आदि। इसके अलावा जिन शब्दों के अंत में '-ओज' आता है, जैसे ग्लूकोज, फ्रक्टोज, सुक्रोज, डेक्सट्रोज, माल्टोज और लैक्टोज, वे भी किसी न किसी रूप में शुगर ही हैं। अगर किसी उत्पाद पर ग्लेज्ड, कैंडीड, कैरेमलाइज्ड या फ्रॉस्टेड जैसे शब्द लिखे हों, तो इसका मतलब भी अक्सर उसमें अतिरिक्त चीनी मिलाई गई है।

आजकल बाजार में 'शुगर फ्री' या 'जीरो शुगर' लिखे कई उत्पाद मिलते हैं। इनमें अक्सर सुक्रालोज, एस्पार्टेम, सैकरीन या स्टीविया जैसे जीरो-कैलोरी स्वीटनर का इस्तेमाल किया जाता है। ये ब्लड शुगर को बहुत कम प्रभावित करते हैं और सीमित मात्रा में इनका इस्तेमाल सुरक्षित माना जाता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि ऐसे सभी उत्पाद पूरी तरह से हेल्दी हैं। कई शुगर-फ्री पैक्ड फूड में स्वाद और बनावट बनाए रखने के लिए दूसरी प्रोसेस्ड चीजें मिलाई जाती हैं। कुछ लोगों में इन स्वीटनर के ज्यादा सेवन से पेट फूलना या दस्त जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे हैं, जिनमें लोग चीनी होने की उम्मीद ही नहीं करते, लेकिन उनमें ऐडेड शुगर काफी हो सकती है। केचप, बारबेक्यू सॉस, पास्ता सॉस और सलाद ड्रेसिंग में अक्सर अतिरिक्त चीनी मिलाई जाती है। इसी तरह कई प्रोटीन बार और फ्लेवर्ड योगर्ट में भी जरूरत से ज्यादा शुगर होती है। इन्हें खरीदते समय कोशिश करें कि उनमें प्रोटीन की मात्रा, शुगर से ज्यादा हो। चॉकलेट, वनीला या स्ट्रॉबेरी फ्लेवर वाले दूध और कॉफी क्रीमर में भी अतिरिक्त चीनी हो सकती है। वहीं ग्रेनोला, इंस्टेंट ओटमील और कई ब्रेकफास्ट सीरियल्स को भी मीठा बनाने के लिए चीनी या शहद मिलाया जाता है। डिब्बाबंद फल, जैम, फ्रूट प्रिजर्व और यहां तक कि पीनट बटर, बादाम बटर या काजू बटर में भी कई बार अतिरिक्त चीनी डाली जाती है।

अभिनेत्री अंजना सुखानी ने बताया हिंदी और रीजनल फिल्मों में स्टोरीटेलिंग का फर्क

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री अंजना सुखानी ने बॉलीवुड समेत दक्षिण भारतीय कई फिल्मों में काम किया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में साउथ सिनेमा और हिंदी फिल्मों की स्टोरीटेलिंग स्टाइल के फर्क को बताया। अभिनेत्री का मानना है कि हिंदी फिल्में पूरे भारतीय ऑडियंस पर फोकस करती है, जबकि रीजनल फिल्में कल्चर, भाषा और ट्रेडिशन से जुड़ी होती हैं।

अंजना सुखानी ने कहा, 'हिंदी सिनेमा में स्टोरीटेलिंग स्टाइल रीजनल फिल्म इंडस्ट्री से काफी अलग है। हिंदी सिनेमा में भारतीय ऑडियंस को ध्यान में रखकर काम किया जाता है, जबकि रीजनल सिनेमा में कल्चर, भाषा खाने की आदतों, स्टोरीटेलिंग से लेकर एक्टिंग करने के फॉर्मेट तक बदल जाते हैं।'

उन्होंने कहा कि अलग-अलग तरह की ऐसी चीजें ही भारत को खूबसूरत बनाती है। एक एक्टर होने के नाते मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे न सिर्फ हिंदी में बल्कि पंजाबी, तेलुगु, मराठी, कन्नड़, मलयालम और कई दूसरी भाषाओं में भी काम करने का मौका मिला है। अभिनेत्री अंजना सुखानी हाल ही में इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आई थीं। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों और क्रिटिक्स से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

फिल्म में अभिनेत्री ने 'मेहर' का एक बहुत ही महत्वपूर्ण और प्रभावशाली किरदार निभाया है। फिल्म में 'मेहर' के सबसे

ज्यादा सीन दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के साथ हैं। फिल्म में दिलजीत दोसांझ, शरवरी और वेदांग रैना अहम रोल में हैं, जबकि बनिता संधू, रजत कपूर, संजय सूरी और दानिश पंडोर ने सपोर्टिंग रोल किया है। यह फिल्म 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें विभाजन के समय बिछड़े प्यार, यादों और परिवार की एक भावुक कहानी को आधुनिक समय से जोड़ा गया है। इस फिल्म का शानदार संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। फिल्म के गीत इरशाद कामिल ने लिखे हैं।

कैंसर और मधुमेह के खिलाफ लड़ाई में जन आंदोलन की जरूरतः डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कैंसर, मधुमेह, मोटापा और अन्य गैर-संक्रामक रोगों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जीवनशैली संबंधी विकारों के बढ़ते बोझ से निपटने के लिए भारत की प्रतिक्रिया अस्पतालों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि एक जन आंदोलन के रूप में विकसित होनी चाहिए जो रोकथाम, शीघ्र निदान और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा पर केंद्रित हो। मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अखिलेश गुप्ता द्वारा लिखित पुस्तक 'अनब्रोकन: माय बैटल विद कैंसर एंड द विल टू लीड' के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश न केवल गैर-संक्रामक रोगों के बढ़ते बोझ का सामना कर रहा है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचनाओं की बढ़ती चुनौती से भी जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि कैंसर, मधुमेह, मोटापा और अन्य गैर-संक्रामक रोगों के बढ़ते बोझ से निपटने के लिए भारत को अस्पतालों तक सीमित न रहकर एक जन आंदोलन चलाना होगा, जो शीघ्र निदान, सही चिकित्सा सलाह और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा पर केंद्रित हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक संचार और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा सलाह पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं।

गर्मियों में टैनिंग से बचने को सिर्फ सनस्क्रीन काफी नहीं

त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए अपनाएं ये आसान आदतें

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। गर्मियों का मौसम आते ही तेज धूप और बढ़ती गर्मी का असर हमारी त्वचा पर भी दिखाई देने लगता है। बाहर निकलते ही सूरज की तेज किरणें त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे टैनिंग, रूखापन और त्वचा का रंग फीका पड़ने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। खासतौर पर यूवी किरणें त्वचा के लिए ज्यादा नुकसानदायक मानी जाती हैं। यही वजह है कि लोग गर्मियों में सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार सिर्फ सनस्क्रीन लगाना ही काफी नहीं होता। त्वचा को धूप से बचाने के लिए रोज की कुछ छोटी-छोटी आदतों को बदलना भी जरूरी होता है।

डॉक्टरों के अनुसार, टैनिंग तब होती है जब हमारी त्वचा तेज धूप से बचने के लिए ज्यादा मात्रा में मेलेनिन बनाने लगती है। मेलेनिन त्वचा को रंग देने वाला एक प्राकृतिक तत्व है, जो सूरज की किरणों से बचाने में मदद करता है। लेकिन जब धूप ज्यादा तेज हो जाती है और त्वचा लंबे समय तक उसके संपर्क में रहती है, तो त्वचा का रंग गहरा होने लगता है। इसके अलावा, ज्यादा धूप से त्वचा पर समय से पहले उम्र के निशान, झुर्रियां और दाग-धब्बे भी नजर आ सकते हैं। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि सनस्क्रीन लगाना जरूरी है, लेकिन इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना उससे भी ज्यादा जरूरी है। कई लोग घर से निकलते समय आखिरी मिनट पर सनस्क्रीन लगाते हैं, जबकि इसे बाहर जाने से कुछ समय पहले लगाना बेहतर माना जाता है। अगर आप लंबे समय तक धूप में रहने वाले हैं या ज्यादा पसीना आ रहा है, तो कुछ घंटों बाद इसे दोबारा लगाना चाहिए। इसे सिर्फ चेहरे पर नहीं, बल्कि गर्दन, हाथ, कान और पैरों जैसे खुले हिस्सों पर भी सनस्क्रीन लगानी चाहिए, क्योंकि ये हिस्से भी धूप से प्रभावित होते हैं। गर्मियों में धूप से बचने का सबसे आसान तरीका है कि तेज धूप के समय बाहर निकलने से बचा जाए। दिन के बीच के समय यानी दोपहर में सूरज की किरणें सबसे ज्यादा तेज होती हैं। इस समय ज्यादा देर तक बाहर रहने से त्वचा पर टैनिंग और जलन की समस्या बढ़ सकती है। अगर किसी जरूरी काम से बाहर जाना पड़े, तो कोशिश करें कि सीधे धूप में कम रहें और छांव का इस्तेमाल करें। इससे त्वचा पर पड़ने वाला धूप का असर कम हो सकता है। अक्सर लोग धूप से सिर्फ चेहरे को बचाने पर ध्यान देते हैं, लेकिन हाथ, गर्दन और पैर भी धूप की चपेट में आते हैं। इसलिए बाहर जाते समय पूरी बांह के हल्के कपड़े पहनना, टोपी लगाना, छाता इस्तेमाल करना या सनग्लास पहनना फायदेमंद हो सकता है।

त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि सनस्क्रीन लगाना जरूरी है, लेकिन इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना उससे भी ज्यादा जरूरी है। कई लोग घर से निकलते समय आखिरी मिनट पर सनस्क्रीन लगाते हैं, जबकि इसे बाहर जाने से कुछ समय पहले लगाना बेहतर माना जाता है।

आयुर्वेद बॉयोलॉजी में करियर की बढ़ी है सम्भावनाएं

■ विशाल धर दुबे

ग्रेटर नोएडा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। आयुर्वेद मेडिकल के साथ विद्यार्थियों आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति व इससे सम्बंधित कोर्स के जानने की कौतुहल रहती है। विद्यार्थियों में यह सवाल रहता है कि आयुर्वेद बॉयोलॉजी है क्या...आयुर्वेद बॉयोलॉजी की आवश्यकता क्या है... इस कोर्स के बच्चे सीखेंगे क्या ? यह सभी प्रश्न युवाओं के मन में गूंजता रहता है। इस सभी सवालों का जवाब गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने दिया है। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद जीवविज्ञान कार्यक्रम (बी.एससी. एम.एससी. की दोहरी डिग्री) पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा और आधुनिक जीवविज्ञान के एकीकरण पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम में आयुर्वेद और आधुनिक जीवविज्ञान के निम्नलिखित पहलुओं को शामिल किया गया है। यह कोर्स गौतम बुद्ध विवि दो वर्ष से चला रहा है, जिसमें 20 सीटें निर्धारित हैं। यूजीसी आयुर्वेद बॉयोलॉजी में नेट व जेआरएफकराना शुरु कर दिया है।

आयुर्वेद के सिद्धांतों का गहन ज्ञान

यह कार्यक्रम आयुर्वेद की मूलभूत अवधारणाओं को शामिल करता है, जैसे कि तीन दोष (वात, पित्त और कफ), पंचमहाभूत, पांच तत्व (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश), और ये मानव स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करते हैं। रोग के विकास के छह चरण, अर्थात् संचय (संचय), प्रकोप (बढ़ना), प्रसार (फैलाव), स्थान संश्रय (स्थानीयकरण), व्यक्ति (प्रकट होना), और भेद (जटिलता), और कई अन्य अवधारणाएं। यह पाठ्यक्रम जीव विज्ञान को आयुर्वेद के साथ जोड़ता है, जिसमें आयुर्वेद के दृष्टिकोण से मानव शरीर रचना विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, आनुवंशिकी, कोशिका जीव विज्ञान, प्रतिरक्षा विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान का अध्ययन किया जाता है। इसमें शरीर के ऊतकों (धातुओं), पाचन अग्नि (अग्नि) और चयापचय प्रक्रियाओं को समझना शामिल है।

- यूजीसी ने अब नेट व जेआरएफआयुर्वेद बॉयोलॉजी में कर दिया है शुरु
- गौतम बुद्ध विवि में बीएससी,एम.एससी दोहरी डिग्री कोर्स है संचालित

पादप आधारित औषध विज्ञान

आयुर्वेद में पादप आधारित उपचारों का व्यापक महत्व है। यह कार्यक्रम आयुर्वेदिक चिकित्सा में प्रयुक्त औषधीय पौधों के जैविक गुणों, उनकी रासायनिक संरचना और औषधीय प्रभावों का अध्ययन करता है।

अनुसंधान और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों का एकीकरण

इस कार्यक्रम में अक्सर वैज्ञानिक अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिसमें आयुर्वेदिक उपचारों की कार्यप्रणाली और प्रभावशीलता का पता लगाना और उन्हें आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ एकीकृत करना शामिल है। इसमें आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों, उपचारों और पद्धतियों पर आधारित साक्ष्य-आधारित अध्ययन शामिल हैं।

निवारक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करें-

आयुर्वेद केवल रोग के उपचार पर ही नहीं, बल्कि निवारक स्वास्थ्य और जीवनशैली में बदलाव पर भी जोर देता है। यह कार्यक्रम आहार, व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी अभ्यासों के माध्यम से दीर्घकालिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के तरीके सिखाता है। इसमें शरीर के भीतर संतुलन बनाए रखने या बहाल करने के लिए पंचकर्म (डिटॉक्सिफिकेशन), हर्बल फॉर्मूलेशन, योग और ध्यान जैसे आयुर्वेदिक उपचारों के उपयोग पर प्रशिक्षण शामिल है।

समग्र दृष्टिकोण के साथ व्यक्तिगत चिकित्सा-

आयुर्वेद जीवविज्ञान व्यक्ति की विशिष्ट शारीरिक संरचना (प्रकृति), जीवनशैली और पर्यावरणीय कारकों को ध्यान में रखते हुए व्यक्तिगत उपचार योजनाओं पर केंद्रित है। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य के समग्र दृष्टिकोण पर बल देता है, जो शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण के बीच संबंधों की पड़ताल करता है, जो आयुर्वेदिक दर्शन का मूल आधार है। यह कार्यक्रम आयुर्वेद स्टार्टअप, उद्यमिता और उद्योग के अनुभव के लिए शिक्षण, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम उन छात्रों के लिए आदर्श है जो प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों को वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ संयोजित करने में रुचि रखते हैं, और उन्हें समग्र स्वास्थ्य, आयुर्वेदिक अनुसंधान, एकीकृत चिकित्सा और आयुर्वेद उद्यमी के रूप में करियर के लिए तैयार करता है।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एक्सिस बैंक	5.48 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	5.12 प्रतिशत
मारूति सुजुकी	2.18 प्रतिशत
कोटक बैंक	2.00 प्रतिशत
इंफोसिस	0.92 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,42,254
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,19,575
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	97.58	94.50
पौंड स्टर्लिंग	132.22	127.60
यूरो	112.21	108.05
चीन युआन	15.13	13.41

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

उत्तराखंड से फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज का निर्यात शुरू

नई दिल्ली, 20 जुलाई (देशबन्धु)। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के माध्यम से उत्तराखंड से फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज का निर्यात शुरू हो गया है और पहली खेप को मध्य पूर्व के देश इराक भेजा गया है। इससे देश के खाद्य उत्पादों के निर्यात पोर्टफोलियो को मजबूती मिलेगी। यह जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को दी गई।

■ पहली खेप को मध्य पूर्व के देश इराक भेजा गया

■ देश के खाद्य उत्पादों के निर्यात पोर्टफोलियो को मिलेगी मजबूती

मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि एपीडा ने उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के काशीपुर से इराक को 24 मीट्रिक टन (एमटी) फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज के पहले निर्यात में सहायता प्रदान की है। वीरुन ग्लोबल ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्यात की गई यह खेप उत्तराखंड से मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा देने और भारत के प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

बयान में आगे कहा गया कि निर्यातक ने

विश्वास व्यक्त किया कि गुणवत्तापूर्ण उत्पाद से बार-बार ऑर्डर मिलेंगे और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दीर्घकालिक व्यापारिक संबंध स्थापित होंगे, जिससे कंपनी और क्षेत्र के लिए निर्यात के निरंतर अवसर पैदा होंगे। एपीडा ने निर्यातक को सियाल, गल्फूड, इंडसफूड और वर्ल्ड फूड इंडिया सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनियों में भाग लेने में सहयोग दिया है, जिससे बाजार तक व्यापक पहुंच और खरीदारों के साथ बेहतर जुड़ाव संभव हुआ है।

भारत प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी स्थिति को लगातार मजबूत कर रहा है। 2025-26 के दौरान, प्रसंस्कृत सब्जियों का भारत का निर्यात 932.25 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें 7,26,874.70 मीट्रिक टन उत्पाद शामिल थे। इसमें से, मूल्यवर्धित आलू उत्पादों का निर्यात 277,108.51 मीट्रिक टन था, जिसका मूल्य 289.40 मिलियन डॉलर था। प्रसंस्कृत फलों और सब्जियों ने मिलकर वर्ष के दौरान एपीडा के निर्धारित निर्यात में लगभग 10 प्रतिशत का योगदान दिया। एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव ने कहा कि उत्तराखंड जैसे भू-आबद्ध राज्यों से निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता पर लॉजिस्टिक्स लागत का लगातार प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि एपीडा निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार लाने और निर्यातकों के लिए अधिक बाजार पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से परिवहन सहायता प्रावधानों सहित राज्य कृषि निर्यात नीति के निर्माण और कार्यान्वयन पर उत्तराखंड सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है।

भारत का रत्न व आभूषण निर्यात जून में 26 प्रतिशत से अधिक बढ़ा

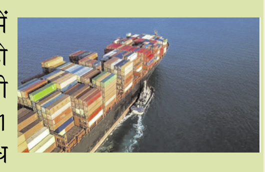

नई दिल्ली। भारत का रत्न एवं आभूषण निर्यात जून में सालाना आधार पर 26.5 प्रतिशत बढ़कर 2.21 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी इंडस्ट्री डेटा में दी गई। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में निर्यात बढ़कर 6.61 अरब डॉलर हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 0.04 प्रतिशत अधिक है। जून 2026 में कुल आयात 10.06 प्रतिशत बढ़कर 1.72 अरब डॉलर आयात रहा, जबकि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में इसमें 5.9 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 4.97 अरब डॉलर रह गया। रत्न एवं आभूषण निर्यात में यह सकारात्मक बदलाव इसलिए भी खास है क्योंकि यह सेक्टर लंबे समय से वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। पिछली कुछ तिमाही में निर्यात में भी कमी आई थी। जून में कटे और पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 84.67 करोड़ डॉलर हो गया, जो एक साल पहले 77.88 करोड़ डॉलर था। हालांकि, अप्रैल-जून की अवधि में इस कैटेगरी का निर्यात 4.1 प्रतिशत घटकर 2.72 करोड़ डॉलर रह गया। अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कटे और पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात 8.9 प्रतिशत बढ़कर 39.8 लाख कैरेट हो गया। इस अवधि में प्रति कैरेट औसत मूल्य 681.7 डॉलर रहा। यह रुझान अंतरराष्ट्रीय बाजार में हीरे के आभूषणों की मांग में फिर से तेजी आने का संकेत देता है। साथ ही, आने वाले हॉलिडे सीजन में बिक्री बेहतर रहने की उम्मीद और व्यापार के लिए घरेलू शुल्क क्षेत्र (डीटीए) की तुलना में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) को अधिक प्राथमिकता मिलने की ओर भी इशारा करता है।

इक्विटी से एलटीसीजी टैक्स हटाने की कोई योजना नहीं : केंद्र

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोमवार को संसद में कहा कि मौजूदा समय में सरकार इक्विटी से लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स हटाने को लेकर कोई विचार नहीं कर रही है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि फिलहाल सरकार के पास रिटेल और घरेलू निवेशकों के लिए इक्विटी ट्रांजैक्शन पर लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स को खत्म करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि व्यापक आर्थिक हालातों को ध्यान में रखते हुए सालाना बजट प्रक्रिया और कानूनी बदलावों के तहत टैक्स नीतियों (जिनमें कैपिटल गेन्स की दरें भी शामिल हैं) की समय-समय पर समीक्षा की जाती है।

इक्विटी लेनदेन पर एलटीसीजी से होने वाला टैक्स संग्रह असिसमेंट ईयर

■ सरकार ने एलटीसीजी टैक्स के माध्यम से 2.01 लाख करोड़ रुपए जुटाए

(एवाई) 2024-25 (वित्त वर्ष 2023-24 के लिए) में 72,249 करोड़ रुपए से बढ़कर एवाई 2025-26 (वित्त वर्ष 2024-25 के लिए) में 1,29,158 करोड़ रुपए हो गया। इन दो वर्षों के दौरान सरकार ने एलटीसीजी टैक्स के माध्यम से कुल 2.01 लाख करोड़ रुपए जुटाए। लिस्टेड इक्विटी और इक्विटी म्यूचुअल फंड पर एलटीसीजी कर की दर 12.5 प्रतिशत निर्धारित है। यह कर केवल उस स्थिति में लागू होता है, जब किसी वित्त वर्ष में पूंजीगत लाभ 1.25 लाख रुपए से अधिक हो।

सोने-चांदी में लौटी तेजी, दाम 4,100 रुपए तक बढ़े

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद सोमवार को सोने और चांदी में तेजी देखने को मिली है। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम 4,100 रुपए तक बढ़ गया है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 1,095 रुपए बढ़कर 1,42,254 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,41,159 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 22 कैरेट सोने की कीमत 1,29,302 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,30,305 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। 18 कैरेट सोने का दाम 1,06,691 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जो कि पहले 1,05,869 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। सोने की अपेक्षा चांदी की कीमतों में बड़ी तेजी देखने को मिली है।

चांदी का दाम 4,101 रुपए बढ़कर 2,19,575 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,15,474 रुपए प्रति किलो था। घरेलू वायदा बाजार में भी सोने और चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर शाम 6 बजे सोने का 5 अगस्त 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,41,690 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 0.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,19,339 रुपए प्रति किलो पर था।

कंपनियों में बिकवाली से बाजार में गिरावट

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। निजी बैंकों तथा वित्तीय क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांक गिरावट में रहे और बीएसई का सेंसेक्स 443 अंक लुढ़क गया। सेंसेक्स की शुरुआत 78,151.45 अंक पर पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही हुई। खुलते ही हालांकि यह लुढ़क गया। बीच कारोबार में एक बार यह 783 अंक तक गिर गया था। अंत में 442.93 अंक (0.57 प्रतिशत) टूटकर 77,708.52 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी-50 सूचकांक का ग्राफ भी लगभग इसी तरह रहा। यह 95.80 अंक यानी (0.39 प्रतिशत) उतरकर 24,238.50 अंक पर रहा।

प्रमुख सूचकांकों के विपरीत वृहत बाजार में लिवाली का जोर रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.61 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.16 प्रतिशत ऊपर रहा।

निजी बैंकों और वित्तीय क्षेत्रों की कंपनियों के अलावा आईटी तथा ऑटो सेक्टरो के सूचकांक भी लाल निशान में बंद हुए। सार्वजनिक बैंकों, फार्मा, स्वास्थ्य, रसायन, तेल एवं गैस, धातु, एफएमसीजी और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के सूचकांक बढ़त में बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में ट्रेंट का शेयर करीब तीन प्रतिशत चढ़ा। पावरग्रिड, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, आईसीआईसीआई बैंक और सनफार्मा के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच चढे।

■ सेंसेक्स 0.57 प्रतिशत टूटकर 77,708.52 अंक पर रहा

■ निफ्टी 0.39 प्रतिशत उतरकर 24,238.50 अंक पर रहा

सार संक्षेप

अल्ट्राटेक सीमेंट को पहली तिमाही में मुनाफा

मुंबई। आदित्य बिरला समूह की निर्माण सामग्री बनाने वाली कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में समेकित आधार पर 2,604 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ जो सालाना आधार पर 17.24 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने सोमवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा की। उसने बताया कि तिमाही के दौरान उसकी शुद्ध बिक्री 24,465 करोड़ रुपए रही। यह पिछले वित्त वर्ष की शुद्ध बिक्री से 16.28 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। तिमाही में घरेलू बिक्री 3.92 करोड़ टन रही जो सालाना आधार पर 13.1 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का परिचालन लाभ भी 12.09 फीसदी की वृद्धि के साथ 5,146 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। प्रति टन परिचालन लाभ 1,214 रुपए से बढ़कर 1,198 करोड़ टन हो गया। पहली तिमाही में कंपनी की स्थापित क्षमता बढ़कर 20.01 करोड़ टन पर पहुंच गई। इस दौरान क्षमता शोधन 81 प्रतिशत रहा।

हुंडई ने 30 हजार इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग पॉइंट्स उपलब्ध कराई

नई दिल्ली। देश की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने सोमवार को घोषणा की कि अब इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उपयोगकर्ता उसके माई हुंडई ऐप के माध्यम से देशभर में 30,000 से अधिक चार्जिंग पॉइंट्स तक पहुंच बना सकेंगे। इसके साथ ही, एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध भारत के सबसे बड़े एकीकृत इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग नेटवर्क में से एक का लाभ ग्राहकों को मिलेगा। कंपनी ने बताया कि यह प्लेटफॉर्म प्रमुख चार्ज प्वाइंट ऑपरेटरों (सीपीओ) और सेवा प्रदाताओं के सहयोग से विकसित किया गया है तथा यह सभी ब्रांडों के इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए उपलब्ध है। नजदीकी चार्जिंग स्टेशन खोजने के अलावा, माई हुंडई ऐप के जरिए उपयोगकर्ता चार्जिंग स्टेशन तक नेविगेट कर सकते हैं, पहले से चार्जिंग स्लॉट बुक कर सकते हैं और एकीकृत इंटरफेस के माध्यम से डिजिटल भुगतान भी कर सकते हैं।

भारत व स्पेन यूपीआई-बिजुम को लेकर बातचीत में लाएंगे तेजी

नई दिल्ली। भारत और स्पेन अपने डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म यूपीआई-बिजुम को आपस में जोड़ने को लेकर बातचीत में तेजी लाने के लिए सहमत हो गए हैं। यह जानकारी वाणिज्य मंत्रालय की ओर से दी गई। दोनों देशों के बीच यह सहमति 13 से 18 जुलाई तक यूरोप के चार देशों के दौरे के तहत स्पेन पहुंचे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की यात्रा के दौरान बनी है। गोयल ने स्पेन के प्रथम उप-प्रधानमंत्री एवं अर्थव्यवस्था, व्यापार और व्यवसाय मंत्री कार्लोस कुएर्पो काबायेरो तथा उद्योग एवं पर्यटन मंत्री जोर्डी हेरेउ बोहेर के साथ बातचीत की। उन्होंने व्यापारिक समुदाय की भागीदारी के साथ भारत-स्पेन जॉइंट कमीशन की वार्षिक बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। वहीं, स्पेन ने द्विपक्षीय सहयोग को सुगम बनाने के लिए एक समर्पित 'इंडिया टीम' गठित करने का प्रस्ताव दिया।

भारत के लिए 'सफेद सोना' बन रहा कॉटन

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत कॉटन के रकबे के मामले में भारत दुनिया में पहले और उत्पादन व खपत के मामले में दूसरे स्थान पर है। वित्त वर्ष 2025-26 में देश का कॉटन उत्पादन 290.91 लाख गांठ रहा, जबकि इसी दौरान घरेलू खपत 328 लाख गांठ तक पहुंच गई। यह जानकारी एक आधिकारिक फैक्टशीट में दी गई। सरकार की ओर से जारी रिपोर्ट में बताया गया कि इस क्षेत्र की ग्लोबल फाइबर उत्पादन में हिस्सेदारी करीब 19 प्रतिशत की है।

■ ग्लोबल फाइबर उत्पादन में हिस्सेदारी करीब 19 प्रतिशत रही

कॉटन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा हाल के वर्षों में उठाए गए कदम मुख्य रूप से उत्पादकता, गुणवत्ता, बाजार तक पहुंच और मूल्य संवर्धन पर केंद्रित हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत खरीद अभियान बाजार में कीमतों में गिरावट के दौरान किसानों को मूल्य समर्थन प्रदान करते हैं। वहीं, कॉटन प्रोडक्टिविटी मिशन का लक्ष्य वर्ष 2031 तक कपास उत्पादन को बढ़ाकर 498 लाख गांठ (बेल) तक पहुंचाना है।

सरकार के अनुसार, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन, डिजिटल खरीद प्रणाली और ट्रेसबिलिटी (उत्पाद की स्रोत तक पहचान) जैसी पहल भारतीय कॉटन की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत कर रही हैं। इन प्रयासों से उत्पादकता बढ़ रही है, गुणवत्ता में सुधार हो रहा है और वैश्विक कपास अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति और मजबूत हो रही है। भारत में आर्थिक महत्व के कारण कपास को 'सफेद सोना' भी कहा जाता है। देशभर में लगभग 114.84 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कॉटन की खेती होती है, जिससे करीब 60 लाख कपास किसानों की आजीविका जुड़ी हुई है। इसके अलावा, कॉटन प्रोसेसिंग, व्यापार और अन्य संबंधित गतिविधियों में लगे 4 से 5 करोड़ लोगों को भी इससे रोजगार मिलता है। वस्त्र निर्माण के अलावा, कॉटन फाइबर, सूत, कपड़े और परिधानों के निर्यात के माध्यम से विदेशी मुद्रा अर्जित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत वैश्विक कपास व्यापार में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हुए है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने अनुमानित 18 लाख गांठ (0.31 मिलियन मीट्रिक टन) कॉटन का निर्यात किया। यह वैश्विक कुल कॉटन निर्यात 541.69 लाख गांठ (9.21 मिलियन मीट्रिक टन) का लगभग 3.37 प्रतिशत है, जो अंतरराष्ट्रीय कॉटन बाजार में भारत की महत्वपूर्ण निर्यातक के रूप में भूमिका को दर्शाता है।

भारत दुनिया के कई प्रमुख बाजारों में कॉटन का निर्यात करता है, जो भारतीय कपास की मजबूत और विविध वैश्विक मांग को दर्शाता है। मूल्य के आधार पर देखें तो वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कॉटन निर्यात 11.49 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

भारतीय कॉटन से बने कपड़ों और तैयार उत्पादों के निर्यात के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका सबसे बड़ा बाजार रहा, जिसकी हिस्सेदारी 26.35 प्रतिशत रही। इसके बाद बांग्लादेश की हिस्सेदारी 19.81 प्रतिशत और श्रीलंका की 5.11 प्रतिशत रही।

नौ प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर जून में बढ़कर पांच प्रतिशत हुई

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। देश के नौ प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर जून में बढ़कर पांच प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह जनवरी 2026 के बाद का उच्चतम स्तर है। इस साल मई में प्रमुख उद्योगों का सूचकांक 3.2 प्रतिशत और अप्रैल में 2.7 प्रतिशत बढ़ा था। वहीं, जून 2025 में सालाना वृद्धि दर 1.1 प्रतिशत रही थी।

■ पहली बार लौह अयस्क को भी प्रमुख उद्योगों में किया गया शामिल

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को पहली बार 2022-23 को आधार वर्ष बनाते हुए प्रमुख उद्योगों के आंकड़े जारी किए गए हैं। साथ ही, पहली बार लौह अयस्क को भी प्रमुख उद्योगों में शामिल किया गया है। पहले आठ प्रमुख उद्योगों के आधार पर ये आंकड़े जारी होते थे। अब यह संख्या बढ़कर नौ हो गई है।

जून में नौ में से पांच सेक्टरों में वृद्धि दर्ज की गई है। इनमें लौह अयस्क, सीमेंट, बिजली, इस्पात और कोयला सेक्टर

शामिल हैं। वहीं, प्राकृतिक गैस, कच्चा तेल, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरक सेक्टरों में गिरावट रही। लौह अयस्क का सूचकांक एक साल पहले के मुकाबले 43.9 प्रतिशत ऊपर रहा। सीमेंट तथा बिजली क्षेत्रों में 9.8 प्रतिशत, इस्पात में 4.6 प्रतिशत और कोयला सेक्टर में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। प्राकृतिक गैस में 7.4 फीसदी, रिफाइनरी उत्पादों में 4.7 फीसदी, कच्चे तेल में 4.2 फीसदी और उर्वरक उत्पादन में 3.3 फीसदी की गिरावट रही। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर 3.6 प्रतिशत रही है। इसमें पांच सेक्टरों में गिरावट और चार में तेजी दर्ज की गई है। कोयला सेक्टर के सूचकांक में सालाना आधार पर 5.8 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस में 5.5 प्रतिशत की गिरावट रही।

सर्वेक्षण व सूचकांकों के जरिए साक्ष्य-आधारित नीतियां बना रही सरकार : राव इंद्रजीत सिंह

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय प्रमुख आर्थिक और सामाजिक सूचकांकों का संकलन करता है और घरेलू सर्वेक्षणों के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता से जुड़ी नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान, मासिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) तैयार करता है। इसके अलावा मंत्रालय श्रम बल, सामाजिक उपभोग, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे विषयों पर नियमित घरेलू सर्वेक्षणों के जरिए आधिकारिक आंकड़े और प्रशासनिक डेटा भी जारी करता है।

उन्होंने कहा, 'ये सर्वेक्षण सामाजिक और आर्थिक विकास के विभिन्न आयामों पर साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं, जो लोगों के जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने में महत्वपूर्ण हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए राष्ट्रीय संकेतक ढांचे की निगरानी करने वाला नोडल मंत्रालय भी है। इस ढांचे में स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता, पर्यावरणीय स्थिरता और नागरिकों के कल्याण से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण संकेतक शामिल हैं।

उन्होंने कहा, 'ये संकेतक और विभिन्न आधिकारिक सांख्यिकीय सर्वेक्षणों से प्राप्त आंकड़े साक्ष्य-आधारित नीतियां बनाने में मदद करते हैं और नागरिकों के समग्र कल्याण में हुई प्रगति का आकलन करने में सक्षम बनाते हैं। इस महीने की शुरुआत में मंत्रालय ने कहा था कि भारत के पहले सेवा उत्पादन सूचकांक के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया गया है।

वित्त वर्ष 27 में डिपॉजिट वृद्धि दर 15 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। देश में गैर-निवासी भारतीय (एनआरआई) और एफसीएनआर-बी इनफ्लो से बैंक डिपॉजिट की वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 15 प्रतिशत पहुंच सकती है। हालांकि, इस दौरान क्रेडिट वृद्धि दर भी मजबूत रहेगी। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में बताया गया कि अभी तक एफसीएनआर-बी डिपॉजिट के जरिए अब तक करीब 13-14 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जिससे चालू वित्त वर्ष में देश के बैंकों का डिपॉजिट आधार मजबूत हुआ है। हालांकि, इस दौरान की वित्त वर्ष 23 से जारी ट्रेंड के मुताबिक क्रेडिट वृद्धि दर डिपॉजिट से अधिक रहेगी।

30 जून को खत्म हुए पखवाड़े में, बैंक क्रेडिट में सालाना आधार पर 18.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि कुल डिपॉजिट राशि में 13.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे क्रेडिट-

डिपॉजिट का अंतर बढ़कर 5.3 प्रतिशत अंक हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, यह लगातार बना हुआ अंतर कोविड-19 महामारी के बाद जमा राशि जुटाने और क्रेडिट की मांग में आए संरचनात्मक बदलावों को दर्शाता है, न कि लिक्विडिटी के अस्थायी असंतुलन को।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बड़े महानगरों में पारंपरिक जमा बाजार अब सैचुरेटेड हो चुके हैं, और जमा राशि में वृद्धि अब अर्ध-शहरी और ग्रामीण इलाकों की ओर बढ़ रही है। ऐसा परिवारों की बढ़ती आय, महिलाओं पर केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के कारण हो रहा है। साथ ही, शहरी परिवार अपनी बचत को म्यूचुअल फंड और इक्विटी जैसे मार्केट-लिंक्ड इंस्ट्रूमेंट्स में लगा रहे हैं, जिससे बैंकिंग सिस्टम में परिवारों की जमा राशि का हिस्सा कम हो रहा है।

■ वित्त वर्ष 23 से जारी ट्रेंड के मुताबिक डिपॉजिट से अधिक रहेगी क्रेडिट वृद्धि दर

कर्ज देने के मामले में, रिपोर्ट में कहा गया है कि रेगुलेटरी उपायों से बिना गारंटी वाले पर्सनल लोन पर रोक लगने के बाद क्रेडिट ग्रोथ का दायरा बढ़ा है।

इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (एससीएलजीएस) के सपोर्ट से, नया कर्ज देने का रुझान इंडस्ट्री, इंफ्रास्ट्रक्चर, वर्किंग कैपिटल लोन और सोने के गहनों के बदले लोन की ओर बढ़ा है।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

• किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।

• भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नहीं कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।

• मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

• मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।

• भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।

• आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें • मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर • भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049

हिन्दी दैनिक

शब्दवाणी समाचार

Website : Shabdawanisamachar.page

(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

फुटबॉल वर्ल्ड कप जीतकर घर लौटी स्पेनिश टीम, मैड्रिड में लाखों फैंस ने किया ग्रैंड वेलकम

न्यूयॉर्क में जश्न, मैड्रिड में हीरो जैसा स्वागत... विश्व कप जीतने के बाद स्पेनिश खिलाड़ियों की चली रॉयल पार्टी, फिर देर रात पहुंचे मैड्रिड, विश्व विजेता स्पेन की शानदार रही घर वापसी

● मैड्रिड / (एजेंसी)

फीफा विश्व कप 2026 जीतने के बाद स्पेन की टीम सोमवार दोपहर मैड्रिड पहुंची, जहां खिलाडियों का नायकों की तरह स्वागत किया गया। फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर दूसरी बार विश्व चैंपियन बनी स्पेनिश टीम ने न्यूयॉर्क में लंबा जश्न मनाने के बजाय तुरंत स्वदेश लौटने का फैसला किया। मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते की टीम ट्रॉफी जीतने के बाद टीम बस से होटल पहुंची, जहां खिलाडियों ने सामूहिक रात्रिभोज किया। इसके बाद पूरी टीम देर रात न्यूयार्क एयरपोर्ट से विशेष एयरबस ए-350 विमान से मैड्रिड के लिए रवाना हो गई।

स्पेन की राजधानी के बराजास एयरपोर्ट पर कप्तान रोड्री ने विश्व कप ट्रॉफी हाथ में लेकर विमान से बाहर कदम रखा। इसके बाद खिलाडियों के सम्मान में मैड्रिड के प्रसिद्ध प्लाजा डी सिबेल्स में विजय परेड का आयोजन किया गया, जहां हजारों प्रशंसकों ने विश्व विजेता टीम का जोरदार स्वागत किया। यात्रा के दौरान खिलाडियों का उत्साह देखने लायक था। कप्तान रोड्री ने टीम बस में गीत गाकर जश्न की शुरुआत की, जबकि विमान में कई खिलाडियों ने विश्व कप ट्रॉफी के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। फाइनल के हीरो फेरान टॉरेस, रोड्री, आयमेरिक लापोर्टे और अन्य खिलाडियों ने जीत का यादगार सफर एक साथ बिताया। फाइनल के बाद मैदान पर खिलाडियों ने अपने परिवार और दोस्तों के साथ भी खुशी साझा की। स्पेन के युवा स्टार लामिन यामाल अपने छोटे भाई के साथ भावुक अंदाज में नजर आए, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुईं।

मैच के बाद मैदान पर खिलाड़ियों के बीच हुई जमकर धक्का-मुक्की

हालांकि मैच समाप्त होने के बाद मैदान पर कुछ देर तनावपूर्ण माहौल भी देखने को मिला। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों टीमों के कुछ खिलाडियों के बीच कहासुनी और धक्का-मुक्की हुई, जिसे बाद में अधिकारियों ने शांत करा दिया।

आलोचनाओं से उबरकर फाइनल के हीरो बने फेरान टॉरेस

फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में 106वें मिनट में विजयी गोल करने वाले स्पेन के स्ट्राइकर फेरान टॉरेस ने साबित कर दिया कि धैर्य और मेहनत का फल हमेशा मिलता है। शुरुआती मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण शुरुआती एकादश से बाहर हुए टॉरेस ने सबसे अहम मुकाबले में अपनी टीम को विश्व चैंपियन बना दिया। टूर्नामेंट की शुरुआत केप वर्डे के खिलाफ गोलरहित मुकाबले से हुई, जिसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। सऊदी अरब के खिलाफ उनका गोल ऑफसाइड के कारण रद्द हो गया और पूरे टूर्नामेंट में उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और हर मौके का इंतजार किया। पुर्तगाल के खिलाफ नॉकआउट मुकाबले में टॉरेस ने अंतिम क्षणों में मिकेल मेरिनो के विजयी गोल का मौका बनाया और फाइनल में अर्जेंटीना के खिलाफ अतिरिक्त समय में इतिहास रच दिया। मैच के बाद टॉरेस ने कहा, यह गोल सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि स्पेन के 4.7 करोड़ लोगों का है। विश्व कप जीतना हम सभी का सपना था। उन्होंने स्वीकार किया कि पूरे टूर्नामेंट में उन्हें काफी आलोचना झेलनी पड़ी, लेकिन उन्होंने अपने आत्मविश्वास और मेहनत पर भरोसा नहीं छोड़ा। टॉरेस अब आंद्रेस इनिएस्ता के बाद विश्व कप फाइनल में स्पेन के लिए विजयी गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने कहा, विश्व कप कोई स्प्रिंट नहीं, बल्कि मैराथन है। लगातार मेहनत करने वालों को अंत में सफलता जरूर मिलती है। अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर फेरान टॉरेस ने न सिर्फ आलोचकों को जवाब दिया, बल्कि स्पेन की दूसरी विश्व कप जीत के सबसे बड़े नायक भी बन गए।

स्पेन की स्ट्रेंथ: संयम, रणनीति और दमदार खेल

फीफा विश्व कप 2026 में स्पेन ने अनुशासित और संतुलित प्रदर्शन के दम पर दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल में अतिरिक्त समय में अर्जेंटीना को 1-0 से हराने वाली स्पेनिश टीम पूरे टूर्नामेंट में तकनीकी दक्षता, मजबूत रक्षा और सामूहिक खेल का शानदार उदाहरण बनी। चार साल पहले कतर में अर्जेंटीना ने रोमांचक अंदाज में विश्व कप जीता था, लेकिन इस बार न्यूयॉर्क में स्पेन ने पूरे मैच पर नियंत्रण बनाए रखते हुए मौजूदा चैंपियन से खिताब छीन लिया। फाइनल में अर्जेंटीना 120 मिनट तक गोल पर एक भी प्रभावी शॉट नहीं लगा सकी, जबकि स्पेन ने लगातार दबाव बनाकर आखिरकार 106वें मिनट में फेरान टॉरेस के गोल से जीत दर्ज की। स्पेन ने सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराया था और फाइनल में भी लियोनेल मेसी की अगुआई वाली अर्जेंटीना को पूरी तरह बांधे रखा। पूरे टूर्नामेंट में स्पेन ने केवल एक गोल खाया, जो विश्व कप इतिहास में किसी भी चैंपियन टीम का सर्वश्रेष्ठ रक्षात्मक प्रदर्शन है।

...और इधर मैड्रिड में रातभर चलता रहा जीत का जश्न

मेसी और लामिन यामाल की तस्वीर बनी पीढ़ी परिवर्तन का प्रतीक

विश्व कप फाइनल के बाद लियोनेल मेसी और स्पेन के युवा स्टार लामिन यामाल की एक तस्वीर दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गई। स्पेन की जीत के बाद निराश मेसी मैदान पर यामाल के पास पहुंचे, उन्हें गले लगाया और विश्व कप जीतने की बधाई दी। इस पल को फुटबॉल में एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को विरासत सौंपने का प्रतीक माना जा रहा है। फाइनल से पहले 2007 की वह पुरानी तस्वीर भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिसमें किशोर मेसी एक शिशु लामिन यामाल को गोद में लिए हुए नजर आ रहे थे। लगभग 19 साल बाद दोनों खिलाड़ी विश्व कप फाइनल में आमने-सामने थे और मुकाबले के बाद एक-दूसरे को गले लगाते दिखाई दिए। विश्व कप 2026 का फाइनल केवल स्पेन की जीत के लिए ही नहीं, बल्कि मेसी और यामाल की भावुक मुलाकात के लिए भी लंबे समय तक याद रखा जाएगा, जिसे फुटबॉल की एक नई पीढ़ी की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

जीता दिल...

स्पेन ने बनाए कई नए ऐतिहासिक रिकॉर्ड...

790 मिडफील्डर रोड्री ने पूरे टूर्नामेंट में 790 पास पूरे कर विश्व कप इतिहास का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने अपना ही 2022 का 638 पास का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। उनके बाद स्पेन के पाउ कुबार्सी (668) और एमेरिक लापोर्टे (618) सबसे अधिक पास करने वाले खिलाड़ी रहे।

750 स्पेन के रक्षकों मार्क कुकुरेला और पाउ कुबार्सी ने 750-750 मिनट खेलकर टूर्नामेंट में सबसे अधिक समय मैदान पर बिताने वाले खिलाडियों में संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया।

58 आक्रमण में मिकेल ओयारजाबाल ने 58 बार विरोधी टीम से गेंद छीनी, जो पूरे टूर्नामेंट में सबसे अधिक रहा।

305 दानी ओल्मो ने सर्वाधिक 305 डिफेंसिव प्रेस दर्ज किए।

38 विश्व कप जीत के साथ स्पेन का अपराजेय सफर 38 अंतरराष्ट्रीय मैचों तक पहुंच गया। मार्च 2024 के बाद से टीम ने 29 मुकाबले जीते और नौ ड्रॉ खेले, जिससे उसने इटली के 37 मैचों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

35 19 वर्षीय लामिन यामाल ने पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 35 सफल ड्रिब्लिंग की। वह विश्व कप जीतने वाले संयुक्त रूप से चौथे सबसे युवा खिलाड़ी भी बने। वहीं 19 वर्षीय पाउ कुबार्सी इस सूची में सातवें स्थान पर रहे।

14 स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में 14 गोल किए, जो विश्व कप में उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। टीम ने लगातार सात मैच जीतकर खिताब अपने नाम किया। इससे अधिक लगातार जीत का रिकॉर्ड केवल ब्राजील (11) के नाम है।

650 गोलकीपर उनाई सिमोन ने आठ मैचों में सात क्लीन शीट रखकर विश्व कप इतिहास का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने लगातार 650 मिनट तक गोल नहीं खाया, जो विश्व कप का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड है।

05 मिकेल ओयारजाबाल ने पांच गोल कर विश्व कप के एक संस्करण में स्पेन के लिए सर्वाधिक गोल करने के रिकॉर्ड की बराबरी की। इससे पहले यह उपलब्धि एमिलियो बुट्रागेनो (1986) और डेविड विया (2010) ने हासिल की थी।

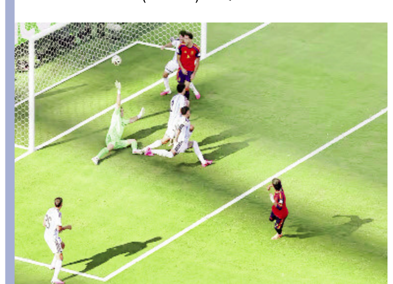

02 फाइनल में अतिरिक्त समय में विजयी गोल करने वाले फेरान टॉरेस विश्व कप फाइनल में बेंच से उतरकर मैच जिताने वाले इतिहास के केवल दूसरे खिलाड़ी बने। उनसे पहले यह कारनामा 2014 में जर्मनी के मारियो गोट्ज़े ने किया था।

01 स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में केवल एक गोल खाया, जो विश्व कप जीतने वाली किसी भी टीम का अब तक का सर्वश्रेष्ठ रक्षात्मक रिकॉर्ड है। इससे पहले फ्रांस (1998), इटली (2006) और स्पेन (2010) ने विजेता रहते हुए दो-दो गोल खाए थे।

महर्षि किड्स होम स्कूल बना वूशु चैंपियनशिप में ओवरऑल चैंपियन

स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मिले मेडल

● भोपाल / (एजेंसी)

महर्षि किड्स होम स्कूल, अयोध्या नगर में आयोजित 26वीं भोपाल जिला वूशु चैंपियनशिप-2026 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रतियोगिता में भोपाल के विभिन्न विद्यालयों एवं प्रशिक्षण केंद्रों के करीब 200 खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में अभिभावक और खेलप्रेमी भी मौजूद रहे।

चैंपियनशिप के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश वूशु संघ के अध्यक्ष एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जयदीप प्रसाद तथा संघ के सचिव मनोज गुप्ता रहे। विशिष्ट अतिथियों में द्वितीय कमांडेंट ब्रजेश मिश्रा, उप कमांडेंट मनोहर लाल मीणा, प्रियांका स्कूल के प्राचार्य राजू गाडेकर, भोपाल जिला वूशु संघ के सचिव मनोज पाटीदार तथा जिंदल हॉस्पिटल की मेडिकल टीम शामिल रही। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु और भार वर्गों में रोमांचक मुकाबले हुए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को मुख्य अतिथियों ने मेडल और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी पर मेजबान महर्षि किड्स होम स्कूल, अयोध्या नगर ने शानदार प्रदर्शन के साथ कब्जा जमाया।

शतरंज खिलाड़ी पोलगर बन सकती हैं हंगरी की राष्ट्रपति

बुडापेस्ट, आरएनएन। दुनिया की महानतम महिला शतरंज खिलाडियों में शामिल जुडित पोलगर को हंगरी के राष्ट्रपति पद के लिए प्रस्ताव मिला है। प्रधानमंत्री पीटर मग्यार ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि वह पोलगर के नाम का प्रस्ताव राष्ट्रपति पद के लिए रखेंगे। 49 वर्षीय पोलगर ने 15 साल 4 महीने की उम्र में ग्रैंडमास्टर बनकर बॉबी फिशर का रिकॉर्ड तोड़ा था।

उन्होंने विश्वनाथन आनंद, गैरी कास्पारोव और मैग्नस कार्लसन समेत 11 विश्व चैंपियनों को हराया तथा लगातार 26 वर्षों तक दुनिया की नंबर-1 महिला शतरंज खिलाड़ी रहीं। प्रधानमंत्री मग्यार ने कहा कि देश को ऐसी राष्ट्रपति की जरूरत है, जिस पर हर हंगेरियन गर्व कर सके और जुडित की पहचान उनकी प्रतिभा, ईमानदारी और उपलब्धियों से बनी है।

टैलेंट सर्च में एथलेटिक्स ट्रायल शुरू 400 से ज्यादा खिलाड़ियों ने दिखाया दम

● भोपाल / (एजेंसी)

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा टी.टी. नगर स्टेडियम में आयोजित टैलेंट सर्च 2026-27 के अंतर्गत एथलेटिक्स चयन ट्रायल्स के पहले दिन 400 से अधिक बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को प्रभावित करने का प्रयास किया।

पहले दिन दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप, पोल वॉल्ट और शॉटपुट सहित विभिन्न स्पर्धाओं के ट्रायल आयोजित किए गए। खिलाड़ियों के प्रदर्शन का

मूल्यांकन विशेषज्ञों ने निर्धारित तकनीकी मानकों के आधार पर किया। चयनित खिलाड़ियों को विभाग की खेल अकादमियों में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा।

खेल विभाग की पात्र खिलाड़ियों से चयन में भाग लेने की अपील

खेल विभाग के अनुसार, टैलेंट सर्च 2026-27 का उद्देश्य प्रदेश की उभरती खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आधुनिक सुविधाएं, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और अनुभवी प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है, ताकि वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर सकें। विभाग ने बताया कि एथलेटिक्स चयन ट्रायल्स 21 और 22 जुलाई को भी टी.टी. नगर स्टेडियम में जारी रहेंगे। पात्र खिलाड़ियों से समय पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की गई है। टैलेंट सर्च अभियान के माध्यम से प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को तराशने और खेल संस्कृति को मजबूत बनाने की दिशा में प्रयास लगातार जारी हैं।

रिटायरमेंट की अटकलों पर रोहित शर्मा का विराम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने संन्यास की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उनका पूरा ध्यान सिर्फ टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने पर है। बीसीसीआई टीवी से बातचीत में रोहित ने कहा, जब से डेब्यू किया है, तब से बाहर शोर है और जब तक खेलूंगा, तब तक रहेगा। अगर बाहर शोर नहीं होगा तो मजा कैसे आएगा? लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार 138 रन की पारी के बाद रोहित ने कहा कि मैदान के बाहर की चर्चाओं से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
136 = 0	360 = 09
680 = 4	114 = 6

शुभांक

दिन	रात
599 = 3	888 = 4
579 = 1	390 = 3

भाग्यांक

0 3 6 9

www.kalyangame.com

शब्दवाणी समाचार

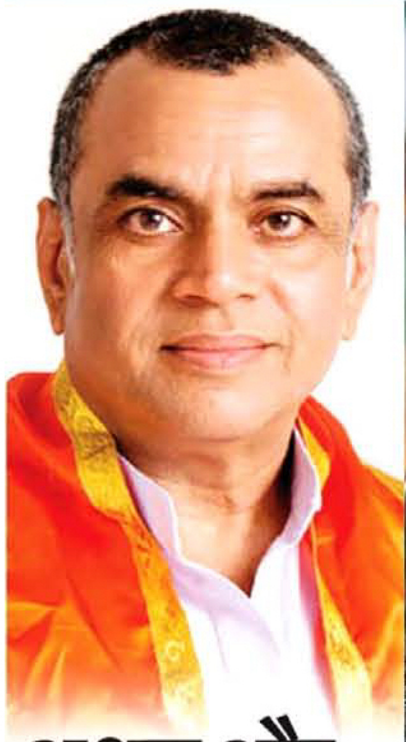

अक्षय और मेरे बीच में मनमुटाव नहीं

दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार अक्षय कुमार द्वारा उन्हें भेजे गए 25 करोड़ रुपये के कानूनी नोटिस के बारे में बात की है। यह नोटिस तब भेजा गया था, जब उन्होंने पिछले साल घोषणा की थी कि वो 'हेरा फेरी 3' का हिस्सा नहीं होंगे। अभिनेता ने कहा कि उनका फिल्म छोड़ने का फैसला अक्षय के साथ किसी निजी मुद्दे से जुड़ा नहीं था। विवाद एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े मुद्दे के कारण हुआ था। और अक्षय का उन पर मुकदमा करने का फैसला एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी।

यह कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी

विक्की लालवानी से बात करते हुए परेश रावल ने कहा कि प्रोजेक्ट से अलग होने के उनके फैसले का अक्षय के साथ काम करने में असहज होने से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि बात यह नहीं थी कि 'मैं अक्षय कुमार के साथ काम करने में असहज महसूस कर रहा हूं।' यह एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी। अगर मुझे फिल्म करनी थी, तो मुझे फिरोज नाडियाडवाला की मंजूरी चाहिए थी, क्योंकि वही 'हेरा फेरी' फ्रैंचाइजी के अकेले मालिक हैं। साथ ही 'आवारा पागल दीवाना', 'वेलकम' और ऐसी ही दूसरी फिल्मों के भी। जब तक उनकी मंजूरी नहीं मिल जाती, मैं कोई कमिटमेंट नहीं कर सकता था। जब कानूनी नोटिस आया, तो मैंने सोचा, 'मैं कानूनी मामलों में क्यों घिसट रहा हूं? क्या मैं यहां फिल्म बनाने का मजा लेने आया हूं या इसमें फंसने के लिए?' मैंने खुद से कहा कि मैं अब इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता।

जब भी 'हेरा फेरी 3' बनेगी मैं उसमें काम करूंगा

फिल्म को लेकर लंबे समय से बनी अनिश्चितता के बावजूद परेश ने कहा कि जब भी यह प्रोजेक्ट शुरू होगा, मैं इसमें जरूर काम करूंगा, चाहे इसे कोई भी डायरेक्ट या प्रोड्यूस करे। मैं उस फिल्म से पूरी तरह जुड़ा हुआ हूं। जब भी वे इसे बनाएंगे, मैं वहां मौजूद रहूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और अक्षय बाद में नोटिस के बारे में बात करने के लिए बैठे थे और क्या एक्टर ने माफी मांगी थी? इस पर परेश ने कहा कि मामला बिना किसी औपचारिक बातचीत के ही सुलझ गया। हम कभी इस बारे में बैठकर बात नहीं की, लेकिन हमने बाद में साथ काम किया। कभी-कभी आपको शब्द कहने की भी जरूरत नहीं होती। चीजों को सुलझाने का यह एक सभ्य तरीका है।

प्रियंका चोपड़ा ने 'वाराणसी' की शूटिंग पर की ये बात, राजामौली की तारीफ की

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। प्रियंका ने उनकी जमकर तारीफ की है। इस फिल्म के साथ प्रियंका भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने राजामौली के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात की। बातचीत में प्रियंका ने कहा 'मैं इस पर (वाराणसी) लगभग 14 महीनों से काम कर रही हूं। एसएस राजामौली फिल्में बनाने में ज्यादा समय लेने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मुझे इस फिल्म के लिए बुलाया और यह दुनिया भर और समय के साथ एक जबरदस्त एडवेंचर है। इसमें थोड़ा समय लगा है लेकिन मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं इसमें कई शानदार स्लो-मोशन जंप करती हूं।'

किसी के पास ऐसा विजन नहीं है

हाल ही में वैरायटी से बातचीत में प्रियंका ने कहा 'यह उन सभी फिल्मों से अलग है, जो मैंने अब तक की हैं। हम अंटार्कटिका की यात्रा करते हैं। राजामौली जो दुनिया बनाते हैं वह बहुत भव्य होती हैं। किसी के पास भी वैसा विजन नहीं है, जैसा राजामौली के पास है। इसलिए मैं भी और देखने के लिए उत्साहित हूं।'

फिल्म में डांस करना चाहती थीं प्रियंका

प्रियंका ने बताया कि फिल्म साइन करने से पहले उन्होंने निर्देशक से क्या कहा था। उन्होंने कहा 'मैंने कहा, 'सुनिए, मैं इंडियन फिल्मों में वापस आ रही हूं। मुझे एक डांस सॉन्ग करना है। मतलब आपको मुझसे डांस करवाना ही होगा।'

कब पूरी होगी शूटिंग

राजामौली ने हाल ही में बताया कि फिल्म के मुख्य एक्शन सीन पहले ही पूरे हो चुके हैं और अक्तूबर तक शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है। यह फिल्म अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदार में होंगे।

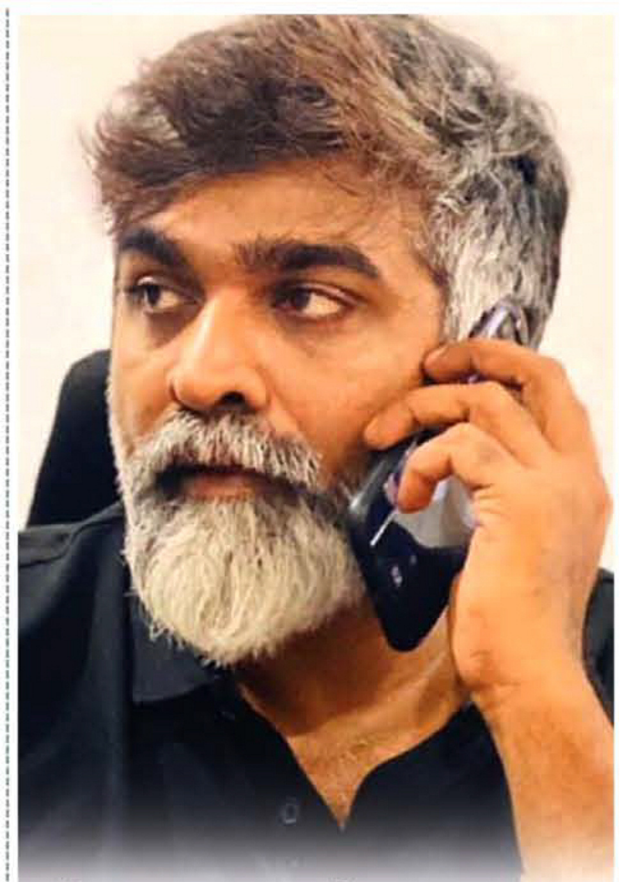

विजय सेतुपति ने बताया अपना आर्थिक संघर्ष; नहीं बनना चाहते थे एक्टर

आज भारतीय सिनेमा में एक्टर विजय सेतुपति को सबसे वर्सटाइल कलाकारों में से एक माना जाता है। कमर्शियल एंटरटेनर और क्रिटिक्स द्वारा सराही गई फिल्मों के बीच संतुलन बनाने के लिए मशहूर इस तमिल स्टार ने एक सफल करियर बनाया है। हालांकि, इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा डिमांड वाले एक्टर्स में से एक बनने से बहुत पहले विजय का कहना है कि उनकी जिंदगी आर्थिक मुश्किलों से गुजरी, जिसने उनके परिवार के हर फैसले पर असर डाला।

बचपन में झेली गरीबी

टूली राम पॉडकास्ट पर बात करते हुए विजय सेतुपति ने अपने बचपन को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे आर्थिक तंगी के बीच बड़े होने से वो कम उम्र में ही समझदार हो गए। उन्होंने कहा कि गरीबी उनके शुरुआती जीवन का एक अहम हिस्सा थी। बचपन में मैंने ज्यादातर आर्थिक संघर्ष ही देखे। लोग कहते हैं कि जवानी गरीबी और मुश्किलों से भरी होती है। मैंने कम उम्र से ही इस स्थिति का सामना किया है। बस यही सब था। क्योंकि जब आप कुछ चाहते हैं, तो आपको हिसाब लगाना पड़ता है कि आप कितना चाहते हैं और आपकी आर्थिक स्थिति ही यह तय करती है। यहां तक कि जब कर्ज वसूलने वाले आते थे या कोई बातचीत के लिए बैठता था, तो मैं ही अपने पिता के साथ बैठता था। मैं ही उन हालात को संभालता था।

एक्टर नहीं बिजनेसमैन बनना चाहते थे विजय

एक्टर ने यह भी बताया कि एक्टिंग कभी उनके शुरुआती प्लान का हिस्सा नहीं थी। मेरी फिल्मों में काम करने की कोई इच्छा नहीं थी। मुझे हमेशा काम करना पसंद रहा है। मैं एक बिजनेसमैन बनना चाहता था। जब मैं स्कूल में था, तो मैं दिहाड़ी मजदूरी का काम करता था। उसके बाद मैंने एक टेलीफोन बूथ पर काम किया। अपनी जिंदगी में मैंने नाइट शूट करते हुए बहुत संघर्ष किया है।

आखिरी बार 'गांधी टॉक्स' में नजर आए थे विजय

विजय सेतुपति ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत छोटे और सपोर्टिंग रोल से की थी। 2012 में 'पिज्जा' और 'नड्डुवुला कोंजम पक्खाथा कानोम' फिल्मों से उन्हें बड़ी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'सूधू कव्वुम', 'विक्रम वेधा', '96', 'सुपर डीलक्स', 'मास्टर', 'विक्रम', 'जवान' और 'महाराजा' जैसी फिल्मों से अपनी खास जगह बनाई। 2023 में विजय ने शाहिद कपूर के साथ क्राइम थ्रिलर सीरीज 'फर्जी' से ओटीटी की दुनिया में कदम रखा। विजय को आखिरी बार 2026 की फिल्म 'गांधी टॉक्स' में देखा गया था।

सिटी ब्यूटीफुल से पंजाबी सिनेमा में लौटीं अपूर्वा अरोड़ा

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'सिटी ब्यूटीफुल' से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया। खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ 'डिस्को सिंह' में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और 'सिटी ब्यूटीफुल' वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है। इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरंत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूं कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने अपनी भावनाएं शेयर करते हुए कहा, 'इतने वर्षों बाद वापस आना अजीब लगता है, हालांकि शूटिंग खत्म होने के बाद मैं अमृतसर के गोल्डन टेंपल आशीर्वाद लेने के लिए जरूर जाऊंगी। यह इस खूबसूरत सफर को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका लगता है।' अपूर्वा अरोड़ा हाल ही में हरियाणा की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म 'मोमाकू' में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा नाम 'मोटर, माचिस और कटर' है। यह एक सस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री ने 'पिंकी' नाम की मुख्य भूमिका निभाई हैं। इस फिल्म में उनके साथ जतिन सरना, यशपाल शर्मा और तुषार दत्त जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे।

रश्मिका मंदाना ने 'रणबाली' को लेकर दी अपडेट

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच फैंस को एक्ट्रेस की अगली फिल्म 'रणबाली' का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में रश्मिका अपने पति व अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने एक फिल्म से जुड़ी एक क्रिप्टिक पोस्ट से विजय देवरकोंडा के 'रणबाली' अवतार को लेकर नई उत्सुकता जगा दी है। बहुत कम जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि टीम जो बना रही है, वह बेहद डरावना है। इससे विजय के ट्रांसफॉर्मेशन और फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'रणबाली' के सेट से विजय देवरकोंडा की एक धुंधली तस्वीर शेयर की। हालांकि, तस्वीर से बहुत कम जानकारी मिली, लेकिन उनके कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर राहुल सांकृत्यायन को टैग करते हुए लिखा, 'मुझे नहीं पता कि मैं अभी आप लोगों को यह दिखा सकती हूं या नहीं। उम्मीद है कि वे मुझे इसे हटाने के लिए नहीं कहेंगे, जैसा कि पहले कई बार हुआ है। लेकिन ये लड़के कुछ बहुत डरावना कर रहे हैं और मैं खुद को रोक नहीं पाई। मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं!'

खेल-खेल में बेटा रावण बन जाता है और मैं मंदोदरी

कभी साल में 8 फिल्में करती थी

काजल अग्रवाल अब 4 साल के बेटे नील की मां बन चुकीं हैं। जल्द ही एक्ट्रेस खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रही हैं।साउथ की सुपरस्टार काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड में भले ही कम फिल्में की हों, मगर उनके चाहने वाले पूरे देश में हैं। एसएस राजामौली निर्देशित चर्चित फिल्म 'मगाधीरा' हो या अजय देवगन के साथ 'सिंघम', अपने हर किरदार से साथ उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। हालांकि, इसके लिए उन्होंने काफी कुर्बानियां भी दी हैं। जल्द ही खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रहीं काजल एक दौर में साल में 7-8 फिल्में करती थीं। वह कहती हैं कि तब मेरी अपनी कोई जिंदगी नहीं थी। मैं सिर्फ काम में जुटी रहती थी।

जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी

अपने इस सफल करियर पर काजल कहती हैं, 'यह ऊपरवाले की मेहरबानी और मेरे बड़ों का आशीर्वाद कि इतना कमाल का काम करने को मिला। कमाल के लोगों के साथ काम करने को मिला। मुझे ऐक्टिंग से बेहद प्यार है और जिस तरह के रोल मुझे मिल रहे हैं, जितना प्यार मुझे मिला है, मैं बहुत खुशनसीब हूं। हालांकि, इस करियर में उतार-चढ़ाव भी थे। चुनौतियां भी थीं। पहले तो भाषा समझना ही मुश्किल था। लोगों की बातें समझ नहीं आती थीं। क्या सही है, क्या गलत है तो वो कल्चर समझा। वहां रहना, अडजस्ट करना, तब मैं मुंबई आती ही नहीं थी। साल में शायद 2 दिन, दिवाली और मेरा जन्मदिन या दिवाली और नया साल ही मुंबई में मनता था, वरना 363 दिन मैं सिर्फ ट्रैवल और शूट करती थी। मैं एक साल में 7 से 8 फिल्में करती थीं। मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। जब मेरे दोस्त जिंदगी एंजॉय कर रहे थे, मैं सिर्फ काम कर रही थी। मुझे जिंदगी का मजा लेने का मतलब ही नहीं पता था।'

खेल-खेल में बेटा रावण बन जाता है, मैं मंदोदरी

काजल नितेश तिवारी की महत्वाकांक्षी फिल्म 'रामायण' में मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं। उस अनुभव के बारे में वह बताती हैं, 'बहुत ही अलग और अद्भुत अनुभव रहा है। जब हम लोग शूट करते हैं या शॉट्स देते हैं तो यह समझ आता है कि ये किस मुकाम तक जाएगी। उसका स्केल दिखाई देता है कि वह वर्ल्ड सिनेमा के लिए बनी है। मेरे लिए तो ये बड़े गर्व की बात है कि ये सारा कमाल हमारी भारतीय प्रतिभाएं इतनी खूबसूरती से कर रही हैं। वहीं, रामायण का बेटे से जुड़ाव के बारे में मजेदार किस्सा शेयर करते हुए कहती हैं, नील को रामायण पसंद है। उसे पता है कि मंदोदरी कौन है तो मैंने बताया है कि मम्मा इसमें मंदोदरी का रोल कर रही है, तो वह खेल-खेल में कहता है कि मैं रावण हूं, तुम मंदोदरी हो तो मैं कहती हूं कि ठीक है, वेरी गुड, चलो खेलते हैं।

मां होने के नाते खाने में मिलावट डराती है

अपनी फिल्म द इंडिया स्टोरी में खाने, दूध, फल आदि में मिलावट के मुद्दे को उठा रहीं काजल एक मां के तौर पर खुद इस विषय से काफी कनेक्टेड महसूस करती हैं। वह कहती हैं, 'एक मां होने के नाते इन चीजों के बारे में सोचकर डर लगता है। हमें पता ही नहीं है कि हमारे बच्चे के सेहत के लिए क्या ठीक है, क्या नहीं? खाना हो, फल हो, दूध हो, आप बड़े से बड़े स्टोर पर भी भरोसा नहीं कर सकते। आपको पता ही नहीं कि अपने बच्चे को क्या खिला रहे हैं? तो हमें ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। ऐसे में, यह फिल्म आंखें खोलने वाली रही। जो रिसर्च हमारे डायरेक्टर डीके चेतन ने दिखाए वह काफी डरावने थे। काजल का जोर अब मजबूत या मुद्दे वाली फिल्मों पर ज्यादा दिख रहा है। क्या फिल्मों के चुनाव को लेकर उनका नजरिया बदला है? इस पर वह कहती हैं, बिल्कुल, आपकी सोच, चॉइस वक्त के साथ बदलती है, क्योंकि जिंदगी आपको मौके भी देर से देती है। आप जब अपने काम में सेटल हो जाते हैं, तब प्रयोग करना शुरू करते हैं। शुरू में तो मैं खुद को स्थापित करने में ही इतनी व्यस्त थी कि बाकी कुछ सोचने का वक्त ही नहीं था। हर फिल्म को हां बोलती थी। साल में 8 फिल्में कर लेती थी।' मगर क्या मां बनने का असर भी इस चुनाव पर पड़ा है? इस पर उनका कहना है, 'ऐसी कोई लिस्ट नहीं है जो मैं फॉलो करती हूं। जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ती हूं, तब मुझे पता चल जाता है कि ये मैं करूंगी, लेकिन ये नहीं सही लग रहा तो नहीं करूंगी, लेकिन बेटा जेहन में रहता है तो अंदर से एक फिल्टर रहता है।'

मोहम्मद जोशी के लिए टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630